प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 16, 03 अगस्त से 09 अगस्त, 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं 8

निधौलीकलां थाने के बाद अलीगंज थाने में युवक पर पुलिस बर्बरता

युवक ने सिपाहियों पर लगाए अकारण ही दुकान से उठाकर थाने लाकर पीटने के आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

एटा/अलीगंज। जनपद के निधौलीकलां थाना क्षेत्र में युवक की मौत के बाद पुलिस पर बर्बरता दिखाकर मारपीट करने से युवक की मौत होने का मामला थमा भी नहीं था कि अलीगंज थाने के दो सिपाहियों ने एक युवक को अकारण ही उसे दुकान से उठा लिया और थाने लाकर उसके साथ जमकर मारपीट की गई है। युवक ने सिपाहियों पर घूस मांगने के भी आरोप लगाए है। मामले की शिकायत एसएसपी एटा से की गई है।

थाना अलीगंज क्षेत्र के सराय अगहत अड्ड़ा नई बस्ती निवासी सौरभ यादव उर्फ गुल्ली पुत्र शिवराम सिंह यादव ने एसएसपी से शिकायत करके अलीगंज थाने के सिपाही गौरव पर आरोप लगाए है कि बीते गुरुवार की दोपहर 12 बजे के करीब अलीगंज थाने के सिपाही गौरव एक अन्य पुलिसकर्मी के साथ उसकी दुकान आए पूछतांछ करने की कहकर थाने लाकर चोरी की किसी घटना के संबंध में पूछतांछ की, सौरभ ने जानकारी नहीं होने की बात कहीं, सौरभ आरोप लगाते है कि उसके मना करने के बाद अलीगंज थाने के सिपाही नकुल और गौरव के द्वारा उसके साथ लात घूसों से बुरी तरह मारापीटा गया।

सिपाहियों की मारपीट के बाद सौरभ के हाथ और कंधे में अंदरुनी चोंटे आ गई, सौरभ का कहना है कि सूजन होने और दर्द से हड्ड़ी टूट गई है।

सिपाहियों पर सौरभ को आए दिन परेशान करने के आरोप

पीड़ित सौरभ ने अलीगंज थाने के सिपाहियों पर आरोप लगाए है कि दोनो सिपाही उसे आएदिन परेशान करते हैं, और सिपाही सौरभ से धनराशि की भी मांग करते है। सौरभ का आरोप है कि बीते दिनो किसी व्यक्ति के माध्यम से उक्त सिपाहियों द्वारा तीन हजार रुपए की बसूली भी की गई थी।

इतने मुकदमे लगाऊंगा जिंदगी भर जेल में सड़ेगा

पीड़ित सौरभ बताते है कि उक्त दोनो सिपाही उसे धमकी देते है कि अगर सौरभ सिपाहियों के कहने में नहीं चलेगा तो उसके ऊपर इतने मुकदमे लगा दिए जायेंगे, जो वह पूरी जिंदगी जेल में ही सड़ेगा।

क्या बोले सीओ अलीगंज

सौरभ को चोरी की एक घटना के संबंध में पूछतांछ के लिए थाने बुलाया गया था, यह मामला संज्ञान में है। इनके द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं, उन आरोपों की बरीकी से जांच की जाएगी, जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

– नितेश गर्ग, सीओ अलीगंज एटा।

मामले की शिकायत एसएसपी एटा से की

सिपाहियों की मारपीट के बाद सौरभ के हाथ और कंधे में अंदरुनी चोंटे आ गई, सौरभ का कहना है कि सूजन होने और दर्द से हड्ड़ी टूट गई है।

ट्रंप के 'डेड इकोनॉमी' पर काशी में मोदी ने दिया जवाब

पीएम बोले- दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा भारत

वाराणसी

पीएम मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा कर लगभग 2,183.45 करोड़ रुपए की 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है, अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर फोकस कर रहे हैं। भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। हमारे किसान, हमारे लघु उद्योग, हमारे नौजवानों को रोजगार, इनका हित हमारे लिए सर्वोपरि है। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है, जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, चाहे वह कोई भी राजनीतिक दल हो, उन्हें अपने मतभेदों को भुलाकर 'स्वदेशी' उत्पादों के लिए संकल्प लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से अपील करते हुए कहा कि जब दुनिया इस प्रकार की अस्थिरता के माहौल से गुजर रही है तो हम भी सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे। ये संकल्प भी देश की सच्ची सेवा होगी। अब हर पल स्वदेशी ही खरीदेंगे। ये महात्मा गांधी को बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी जवाब दे दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' बताया था।

प्रधानमंत्री ने लोकल फॉर वोकल पर दिया जोर

मेरा वादा भगवान शिव के आशीर्वाद से पूरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने का उनका वादा भगवान शिव के आशीर्वाद से पूरा हुआ। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ कार्रवाई का वर्णन करने के लिए भगवान शिव के प्रचंड 'रुद्र' रूप का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को देश की ताकत दिखाई है और एक स्पष्ट संदेश दिया है - जो कोई भी भारत पर हमला करने की हिम्मत करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, यहां तक कि 'पाताल लोक' में भी नहीं। मोदी ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों के लिए मेरा दिल दुख से भर गया है। उन्होंने कहा, महादेव के आशीर्वाद से हमारी बेटियों के 'सिंदूर' का बदला लेने का मेरा वादा पूरा हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को महादेव के चरणों में समर्पित करता हूं।

ट्रंप ने किया 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान : बीती 31 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से सभी आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ और एक्स्ट्रा जुर्माना लगाने का ऐलान किया था। ट्रंप ने 'डेड इकोनॉमी बताते हुए कहा था कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि भारत, रूस के साथ क्या करता है।

किसानों को जारी की 20वीं किस्त : प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी की, जिसके तहत 9.70 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खातों में 20,500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। उन्होंने दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर वितरित किए।

मोदी ने भीड़ से किया सीधा सवाल

क्या आपको ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व नहीं है? क्या आपको इस बात पर गर्व नहीं है कि भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया? उन्होंने आगे कहा, आप सभी ने देखा होगा कि कैसे हमारे ड्रोन और मिसाइलों ने सटीक हमले किए और आतंकवादी ठिकानों को मलबे में बदल दिया। पाकिस्तान में कई हवाई अड्डे अभी भी आईसीयू में हैं (सदमे से जूझ रहे हैं)। पाकिस्तान की पीड़ा समझ में आती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता भी इससे निपट नहीं पा रहे हैं।

कांग्रेस पर लगाया आरोप

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस बार-बार सशस्त्र बलों के शौर्य का अपमान कर रही है और उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक तमाशा तक कह दिया था। उन्होंने कहा, क्या 'सिंदूर' कभी मजाक हो सकता है? उन्होंने हमारी बहनों के पवित्र चिह्न और हमारे सैनिकों के शौर्य का अपमान करने का साहस किया। मोदी ने समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने पूछा, क्या मुझे सपा नेताओं को बुलाकर पूछना चाहिए कि अभी हमला करना है या बाद में?

थाने में पुलिस की थर्ड डिग्री से किशोर की मौत

सुबह गांव के बाहर पड़ा मिला शव, शरीर पर थें चोटो के निशान

शव को एसएसपी ऑफिस के बाहर रखकर किया प्रदर्शन, काटा हंगामा

एटा। किशोरी के अपहरण के मामले में पुलिस के बुलाने पर किशोर शुक्रवार को थाना निधौली कलां गया। शनिवार सुबह उसका शव गांव के बाहर पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। परिजन ने आरोप लगाया कि थाने में उसकी बेरहमी से पिटाई की गई, इसी वजह से उसकी मौत हुई है। आक्रोशित परिजन ने पहले शव को एसएसपी कार्यालय पर रखकर प्रदर्शन और हंगामा किया। इसके बाद पोस्टमार्टम हाउस के बाहर भी हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। ग्रामीणों के आरोप पर दो दरोगा लाइन हाजिर कर दिए गए हैं।

थाना निधौलीकलां क्षेत्र के गांव चंद्रभानपुर उर्फ नगला खरेटी निवासी मौहर सिंह ने बताया कि बेटा 16 बर्षीय सत्यवीर सिंह नासिक में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। आरोप लगाया कि 8 दिन से थाना निधौली कलां में तैनात उपनिरीक्षक सुरेंद्र यादव और आसिफ अली व अन्य पुलिसकर्मी घर पर आकर धमकाते थे। इनका कहना था कि सत्यवीर को बुलाओ, उससे किसी मामले में पूछताछ करनी है। पिता ने बताया कि एक अगस्त को बेटे सत्यवीर के साथ बड़ा बेटा भूरे थाने में पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने भूरे को बाहर बैठा दिया और सत्यवीर को अंदर ले जाकर सुरेंद्र यादव, आसिफ अली और आरक्षी पुष्पेंद्र, दिलीप व अन्य ने पीटना शुरू कर दिया। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर भूरे ने पुलिसकर्मियों से पूछा तो कहा कि चुपचाप बैठे रहो नहीं तो झूठे केस में फंसाकर जेल भेज देंगे। डर की वजह से सभी लोग वहां से घर चले आए।

गांव के बाहर पड़ा मिला शव

पिता ने बताया कि शनिवार सुबह गांव से बाहर कुछ लोग शौच करने के लिए खेतों की ओर गए तो देखा कि रास्ते में सत्यवीर का शव पड़ा है। उसके शरीर पर पैरों से लेकर पीठ तक कई जगह चोट के निशान थे। इससे लग रहा है कि पुलिसकर्मियों ने पीट-पीटकर सत्यवीर की हत्या कर दी और शव को गांव के बाहर रास्ते पर डाल गए।

पुलिस का कहना उसने आत्महत्या कर ली

एसएसपी श्याम नारायण सिंह ने बताया कि एक लापता किशोरी के मामले की पूछताछ के लिए सत्यवीर को थाने में बुलाया गया था और परिजन के सुपुर्द कर दिया गया था। रात में घर में जाकर उसने खुदकुशी कर ली। थाने में पिटाई का आरोप लगाया गया है, इसकी जांच की जा रही है। दोनों आरोपी उपनिरीक्षकों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा भारत

- ट्रंप ने कहा था, मैंने सुना है भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा
- तेल कंपनियां बोली, रूस से तेल न खरीदने का हमें कोई आदेश नहीं

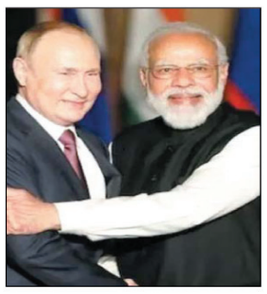

नई दिल्ली : भारत ने अमेरिका की टैरिफ वाली कार्रवाईयों को नजरअंदाज करते हुए रूस से तेल की खरीद जारी रखने का फैसला किया है। राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज करते हुए भारत की तेल रिफाइनरियां रूसी कंपनियों से तेल प्राप्त करना जारी रखे हुए हैं। रूस से तेल खरीद को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से सवाल किया गया, इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, 'जहां तक ऊर्जा जरूरतों की सोर्सिंग की बात होती है, उस पर हमारा रवैया पहले से ही साफ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जो तेल बिकता है, वो किस भाव में मिलता है। उस पर वैश्विक माहौल को देखते हुए फैसला लिया जाता है। जहां तक रूसी आयात को रोकने वाली भारतीय तेल कंपनियों की खबरों की बात है तो इसकी कोई जानकारी नहीं है। वहीं, जो कंपनियां रूस से तेल खरीदारी करती हैं, उनका कहना है कि रूस से तेल न खरीदने को लेकर उनके पास किसी तरह का कोई आदेश नहीं आया है। तेल कंपनियों ने कहा कि न तो इस तरह की चर्चा हो रही है। तेल कंपनियों के बयान से साफ है भारत अमेरिका के दबाव में आकर रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करने वाला है। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने या भारत पर जुर्माना लगाने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे सुनने में आया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। मैंने ऐसा सुना है, लेकिन यह सही है या नहीं, मुझे नहीं पता। अगर ऐसा है तो यह अच्छा कदम है। अब देखते हैं आगे क्या होता है।

मजीठिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 14 दिन बढ़ाई

चंडीगढ़ : मोहाली कोर्ट में शिअद नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के केस की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत को 14 दिन के लिए बढ़ा दिया है। जबकि शनिवार को उनकी 14 दिन की पिछली न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद कोर्ट में पेशी हुई। इसके साथ ही मजीठिया की बैरक बदलने की याचिका पर भी शनिवार को सुनवाई होनी थी, जिसे कोर्ट ने 6 अगस्त तक के लिए टाल दिया। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि आजादी दिवस के मद्देनजर 14 अगस्त को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मजीठिया को पेश किया जाएगा। अब 6 अगस्त को बैरक बदलने की याचिका पर सुनवाई होगी और 14 अगस्त को अगली पेशी के दौरान उनकी मौजूदा न्यायिक हिरासत समाप्त होगी।

अमरनाथ यात्रा एक हफ्ते पहले बंद

- भारी बारिश से बालटाल और पहलगाम दोनों रास्ते खराब हुए

श्रीनगर : अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया है। यात्रा 9 अगस्त तक चलनी थी, लेकिन भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से इसे आज से ही रोक दिया गया। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि यात्रा मार्गों को बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। बालटाल और पहलगाम दोनों रास्तों पर मरम्मत का काम होगा, इसलिए यात्रा को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रास्तों पर मशीनों और कर्मियों की लगातार तैनाती के चलते यात्रा फिर से शुरू करना संभव नहीं है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होनी थी। इस साल अब तक 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए थे।

सांसद सुखजिंदर रंधावा के बेटे को धमकी देने वाला काबू

अमृतसर

पंजाब पुलिस ने सांसद सुखजिंदर रंधावा के बेटे को धमकी देने वाले को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर रंधावा के बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने धमकी देने वाले को अमृतसर से गिरफ्तार किया है। कस्बा फतेहगढ़ चूड़ियां में वीरवार को दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों ने पगड़ी सेंटर पर गोलियां चलाई थी। इस मामले को लेकर गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा था कि उनके बेटे उदयवीर सिंह रंधावा को जेल में बंद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की ओर से जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

प्रज्वल रेवन्ना को रेप केस में उम्र कैद

मैसूरु

बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को पूर्व JDS सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों की स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को दिए जाएंगे। कोर्ट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराया था। रेवन्ना ने कोर्ट में कम सजा देने की अपील करते हुए दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

दरअसल, रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने पिछले साल अप्रैल में रेवन्ना के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। इसमेंरेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है। पिछले साल प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में सामने आने के बाद चर्चा में आया था।

कश्मीर के कुलगाम में दो आतंकी ढेर

- सुरक्षबलों ने 'ऑपरेशन अखल' को दिया अंजाम

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में सुरक्षाबलों ने शनिवार को 2 आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ के बाद दोनों के शव भी बरामद किए गए। एक आतंकी की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई। हालांकि, दूसरे का नाम सामने नहीं आया। हारिस सुबह मारा गया था, जबकि दूसरा आतंकी दोपहर में मारा गया। हारिस सी-कैटेगरी का आतंकी था। वह उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद हुआ है। बता दें कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शुक्रवार रात से मुठभेड़ शुरू हुई थी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने 'ऑपरेशन अखल' को अंजाम दिया। अंतिम समाचार मिलने तक जंगल में और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा समेत 11 को नोटिस

नई दिल्ली : शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दिल्ली स्थित राऊज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से पहले वाड्रा समेत 11 लोगों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि चार्जशीट पर विचार करने से पहले संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। अगली सुनवाई 28 अगस्त को तय की गई है। इस दिन वाड्रा की ओर से अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखा जाएगा।

चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था नहीं : राहुल गांधी

- कहा, हमारे पास मतदाता सूची में हेराफेरी के पुख्ता सबूत

सांसद राहुल गांधी 'वार्षिक लीगल कॉन्कलेव' को संबोधित करते हुए।

नई दिल्ली : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'वार्षिक लीगल कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था नहीं रह गई है और हमारे पास यह साबित करने के लिए पक्के सबूत हैं कि चुनावों में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां हुई हैं।

अगर सबूतों का एटम बम है तो फोड़ दो : राजनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता राजनाथ सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि उनके पास एटम बम है। अगर ऐसा है, तो उन्हें तुरंत उसे फोड़ देना चाहिए। उन्हें बस यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह खुद खतरे से दूर रहें।

कृषि कानून पर मुझे धमकाने के लिए भेजे गए थे अरुण जेटली : राहुल गांधी

नई दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कृषि कानून पर विरोध प्रदर्शन के बीच उन्हें धमकाने के लिए अरुण जेटली को भेजा गया था। राहुल गांधी ने कहा, मुझे याद है जब मैं कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ रहा था और वे (अरुण जेटली) अब नहीं हैं, इसलिए शायद मुझे यह नहीं कहना चाहिए, लेकिन मैं कहूंगा, अरुण जेटली को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था। उन्होंने (जेटली) कहा कि अगर आप सरकार का विरोध करते हुए इसी रास्ते पर चलते रहे, तो हमें आपके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

भाजपा नेता रणजीत गिल के कई ठिकानों पर विजिलेंस की छापेमारी

चंडीगढ़ : पंजाब के पूर्व अकाली नेता और रियल एस्टेट एजेंट रणजीत सिंह गिल के ठिकानों पर शनिवार सुबह विजिलेंस ब्यूरो ने छापेमारी की। गिल ने शुक्रवार को ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा था। रणजीत गिल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली थी। पार्टी में शामिल होने के अगले ही दिन शनिवार सुबह विजिलेंस टीमों ने चंडीगढ़ और मोहाली में स्थित उनके आवासों और अन्य ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

सम्पादकीय

अपराध किया किसने

मालेगांव बम विस्फोट केस हाल का वह दूसरा संवेदनशील मुकदमा है, जिसमें अदालत में जांच एजेंसियों की कमियां पकड़ी गईं। इसी 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपियों को बरी किया था। अब स्पेशल NIA कोर्ट ने मालेगांव केस के सभी 7 अभियुक्तों को बरी कर दिया। महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए धमाकों में 6 लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। पहले इस मामले की जांच महाराष्ट्र ATS ने की, उसके बाद NIA ने। लेकिन 17 साल बाद अदालत में पूरी जांच प्रक्रिया ही खामियों से भरी निकली। जिन सबूतों के आधार पर पूरा मुकदमा खड़ा किया गया था, वे कोर्ट रूम में टिके ही नहीं। अभियोजन पक्ष के पास आरोपों को साबित करने के लिए ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। अभियोजन पक्ष न तो यह साबित कर सका कि जिस बाइक में विस्फोटक था, वह साध्वी प्रज्ञा सिंह की थी और न यह कि लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित ने अपने घर पर फ्क रखा और बम बनाया। अदालती फैसले को देखने के बाद लगता है कि जांच के हर स्तर पर लापरवाही बरती गई। यह कोई छोटी चूक नहीं है कि वारदात स्थल की ठीक से बैरिकेडिंग नहीं की गई थी, जिससे क्राइम सीन को नुकसान पहुंचा। इसकी भी जवाबदेही होनी चाहिए कि कैसे घायलों की संख्या को लेकर गफलत हुई और कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में किसके इशारे पर हेरफेर किया गया। इस मुकदमे में इतनी कमियां निकली हैं, जिसके बाद सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी जांच एजेंसियां ऐसे गंभीर मामलों को ठीक से हैंडल कर सकती हैं? अगर बरसों लंबे इंतजार के बाद भी नतीजा इतनी कमियों के रूप में सामने आए, तो भरोसे पर चोट लगेगी ही। यह भी देखने वाली बात है कि इन कमियों को घटना के कोई एक-दो नहीं बल्कि 17 साल बाद पकड़ा जा रहा है। क्या अब नए सिरे से जांच करना और कमियों को दुरुस्त करना संभव हो पाएगा? यह केस राजनीतिक विवादों में भी रहा है। अदालती फैसले के बाद भी इस पर सियासत होगी। वहीं, इस केस में कोर्ट की यह टिप्पणी अहम हो जाती है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। अब बहस तो यह होनी चाहिए कि कैसे उन लोगों को इंसाफ मिले, जिन्होंने उस धमाके में किसी अपने को खोया है। समय यह सोचने का भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

मित्रता: रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस 3 अगस्त 2025

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल रिश्ता नहीं बल्कि एक मन:स्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना। विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद?

ललित गर्ग

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी।

दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है-लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं। आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती जमीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल रिश्ता नहीं बल्कि एक मन:स्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है।

दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना। क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है। आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर।

विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा जमीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था- मैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी। इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे।

हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है, जहाँ न कोई दायित्व होता है, न कोई बंधन, सिर्फ अपनापन होता है। चाहे युग बदले या तकनीक, दिलों की दूरी को मिटा सकने की शक्ति केवल सच्ची दोस्ती ही रखती है।

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

डॉ. रमेश ठाकुर

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद खबर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित अतंराष्टीय स्पेस सेंटर में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का इंटरनेशनल स्पेस सेंटर बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में स्पेस स्टेशन के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है? अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी स्पेस स्टेशन बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही एक्सिओम मिशन-4 क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है। अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है। इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह मिशन गगनयान को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी गगनयान मिशन को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

जातक-कथा

बंदर का हृदय

किसी नदी के तट पर एक वन था। उस वन में एक बंदर निवास करता था, जो वन के फल आदि खा कर अपना निर्वाह करता था। नदी में एक टापू भी था और टापू और तट के बीच में एक बड़ी सी चट्टान भी थी। जब कभी बंदर को टापू के फल खाने की इच्छा होती वह उस चट्टान पर उस टापू पर पहुँच जाता और जी भर अपने मनचाहे फलों का आनंद उठाता। उसी नदी में घड़ियालों का एक जोड़ी भी रहती थी। जब भी वह उस हृष्ट-पुष्ट बंदर को मीठे-रसीले फलों का आनंद उठाते देखती तो उसके मन में उस बंदर के हृदय को खाने की तीव्र इच्छा उठती। एक दिन उसने नर घड़ियाल से कहा, प्रिय ! अगर तुम मुझसे प्रेम करते हो तो मुझे उसका हृदय खिला कर दिखा दो, नर घड़ियाल ने उसकी बात मान ली। दूसरे दिन बंदर जैसे ही टापू पर पहुँचा नर-घड़ियाल टापू और तट के बीच के चट्टान के निचले हिस्से पर चिपक गया। वह बंदर एक बुद्धिमान प्राणी था। शाम के समय जब वह लौटने लगा और तट और टापू के बीच के चट्टान को देखा तो उसे चट्टान की आकृति में कुछ परिवर्तन दिखाई पड़ा। उसने तत्काल समझ लिया कि जरुर कुछ गड़बड़ी है। तथ्य का पता लगाने के लिए उसने चट्टान को नमस्कारकरते हुए कहा, हे चट्टान मित्र! आज तुम शांत कैसे हो? मेरा अभिवादन भी स्वीकार नहीं कर रही हो? घड़ियाल ने समझा, शायद चट्टान और बंदर हमेशा बात करते रहते हैं इसलिए उसने स्वर बदल कर बंदर के नमस्कार का प्रत्युत्तर दे डाला । बंदर की आशंका सत्य निकली । बंदर टापू में ही रुक तो सकता था मगर टापू में उसके निर्वाह के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं था। जीविका के लिए उसका वापिस वन लौटना अनिवार्य था। अतः अपनी परेशानी का निदान ढूंढते हुए उसने घड़ियाल से कहा, मित्र! चट्टान तो कभी बातें नहीं करती ! तुम कौन हो और क्या चाहते हो? दम्भी घड़ियाल ने तब उसके सामने प्रकट हो कहा, ओ बंदर ! मैं एक घड़ियाल हूँ और तुम्हारा हृदय अपनी पत्नी को खिलाना चाहता हूँ। तभी बंदर को एक युक्ति सूझी। उसने कहा, हे घड़ियाल ! बस इतनी सी बात है तो तुम तत्काल अपनी मुख खोल दो, मैं सहर्ष ही अपने नश्वर शरीर को तुम्हें अर्पित करता हूँ। बंदर ने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानता था कि जब घड़ियाल मुख खोलते हैं, तो उनकी आँखें बंद हो जाती हैं। फिर जैसे ही घड़ियाल ने अपना मुख खोला, बंदर ने तेजी से एक छलांग उसके सिर पर मारी और दूसरी छलांग में नदी के तट पर जा पहुँचा। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से बंदर ने अपने प्राण बचा लिए ।

कहानी

बगुला भगत और केकड़ा

एक वन प्रदेश में एक बहुत बड़ा तालाब था। हर प्रकार के जीवों के लिए उसमें भोजन सामग्री होने के कारण वहां नाना प्रकार के जीव, पक्षी, मछलियां, कछुए और केकड़े निवास करते थे। पास में ही बगुला रहता था, जिसे परिश्रम करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उसकी आंखें भी कमजोर थीं। मछलियां पकडने के लिए तो मेहनत करनी पड़ती हैं, जो उसे खलती थी। इसलिए आलस्य के मारे वह प्रायः भूखा ही रहता। एक टांग पर खड़ा यही सोचता रहता कि क्या उपाय किया जाए कि बिना हाथ-पैर हिलाए रोज भोजन मिले। एक दिन उसे एक उपाय सूझा तो वह उसे आजमाने बैठ गया। बगुला तालाब के किनारे खड़ा हो गया और लगा आंखों से आंसू बहाने। एक केकड़े ने उसे आंसू बहाते देखा तो वह उसके निकट आया और पूछने लगा मामा, क्या बात है भोजन के लिए मछलियों का शिकार करने की बजाय खड़े आंसू बहा रहे हो? बगुले ने जोर की हिचकी ली और भर्राए गले से बोला बेटे, बहुत कर लिया मछलियों का शिकार। अब मैं यह पाप कार्य और नहीं करुंगा। मेरी आत्मा जाग उठी हैं। इसलिए मैं निकट आई मछलियों को भी नहीं पकड़ रहा हूं। तुम तो देख ही रहे हो। केकड़ा बोला मामा, शिकार नहीं करोगे, कुछ खाओगे नहीं तो मर नहीं जाओगे? बगुले ने एक और हिचकी ली ऐसे जीवन का नष्ट होना ही अच्छा है बेटे, वैसे भी हम सबको जल्दी मरना ही हैं। मुझे ज्ञात हुआ हैं कि शीघ्र ही यहां बारह वर्ष लंबा सूखा पड़ेगा। बगुले ने केकड़े को बताया कि यह बात उसे एक त्रिकालदर्शी महात्मा ने बताई है, जिसकी भविष्यवाणी कभी गलत नहीं होती। केकड़े ने जाकर सबको बताया कि कैसे बगुले ने बलिदान व भक्ति का मार्ग अपना लिया है और सूखा पड़ने वाला है। उस तालाब के सारे जीव मछलियां, कछुए, केकड़े, बत्तख व सारस आदि दौड़े-दौडे बगुले के पास आए और बोले भगत मामा, अब तुम ही हमें कोई बचाव का रास्ता बताओ। अपनी अक्ल लड़ाओ तुम तो महाज्ञानी बन ही गए हो। बगुले ने कुछ सोचकर बताया कि वहां से कुछ कोस दूर एक जलाशय हैं जिसमें पहाड़ी झरना बहकर गिरता हैं। वह कभी नहीं सूखता। यदि जलाशय के सब जीव वहां चले जाएं तो बचाव हो सकता है। अब समस्या यह थी कि वहां तक जाया कैसे जाएं? बगुले भगत ने यह समस्या भी सुलझा दी मैं तुम्हें एक-एक करके अपनी पीठ पर बिठाकर वहां तक पहुंचाऊंगा क्योंकि अब मेरा सारा शेष जीवन दूसरों की सेवा करने में ही तो गुजरेगा। सभी जीवों ने गद्-गद् होकर बगुला भगतजी की जै के नारे लगाए। अब बगुला भगत के पौ-बारह हो गई। वह रोज एक जीव को अपनी पीठ पर बिठाकर ले जाता और कुछ दूर ले जाकर एक चट्टान के पास जाकर उसे उस पर पटककर मार डालता और खा जाता। कभी मूड हुआ तो भगतजी दो फेरे भी लगाते और दो जीवों को चट कर जाते तालाब में जानवरों की संख्या घटने लगी। चट्टान के पास मरे जीवों की हड्डियों का ढेर बढ़ने लगा और भगतजी की सेहत बनने लगी। खा-खाकर वह खूब मोटे हो गए। मुख पर लाली आ गई और पंख चर्बी के तेज से चमकने लगे। उन्हें देखकर दूसरे जीव कहते देखो, दूसरों की सेवा का फल और पुण्य भगतजी के शरीर को लग रहा है। बगुला भगत मन ही मन खूब हंसता। वह सोचता कि देखो दुनिया में कैसे-कैसे मूर्ख जीव भरे पड़े हैं, जो सबका विश्वास कर लेते हैं। ऐसे मूर्खों की दुनिया में थोड़ी चालाकी से काम लिया जाए तो मजे ही मजे हैं। बिना हाथ-पैर हिलाए खूब दावत उड़ाई जा सकती है। बहुत दिन यही क्रम चला। एक दिन केकड़े ने बगुले से कहा मामा, तुमने इतने सारे जानवर यहां से वहां पहुंचा दिए, लेकिन मेरी बारी अभी तक नहीं आई। भगतजी बोले बेटा, आज तेरा ही नंबर लगाते हैं, आजा मेरी पीठ पर बैठ जा। केकड़ा खुश होकर बगुले की पीठ पर बैठ गया। जब वह चट्टान के निकट पहुंचा तो वहां हड्डियों का पहाड देखकर केकड़े का माथा ठनका। वह हकलाया यह हड्डियों का ढेर कैसा हैं? वह जलाशय कितनी दूर है मामा? बगुला भगत ठां-ठां करके खुब हंसा और बोला मूर्ख, वहां कोई जलाशय नहीं है। मैं एक-एक को पीठ पर बिठाकर यहां लाकर खाता रहता हूं। आज तु मरेगा। केकड़ा सारी बात समझ गया। वह सिहर उठा परन्तु उसने हिम्मत न हारी और तुरंत अपने पंजों को आगे बढ़ाकर उनसे दुष्ट बगुले की गर्दन दबा दी और तब तक दबाए रखी, जब तक उसके प्राण पखेरु न उड़ गए। फिर केकड़ा बगुले भगत का कटा सिर लेकर तालाब पर लौटा और सारे जीवों को सच्चाई बता दी कि कैसे दुष्ट बगुला भगत उन्हें धोखा देता रहा। सीख: किसी की भी बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। मुसीबत में धीरज व बुद्धिमानी से कार्य करना चाहिए।

जांच की जांच

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

गलती न करने की मंशा होते हुए भी हो ही जाती है। देखिए, नई तरह से नई गलती होगी तभी तो बचाव करने, बचने के नए उपाय किए जाएंगे, उनका आविष्कार होगा। सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए संभव और सघन प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने अपना वक्तव्य देने के लिए, सात वारों में से मनपसंद वार और समय भी चुना। कोई छोटा मोटा वक्तव्य तो देना नहीं था। उन्होंने फरमाया, देखिए, हमारे यहां बहुत सख्त सुरक्षा मापदंड और मजबूत प्रोटोकोल होता है जिसे मानना पड़ता है, माना भी जाता है। मगर यदि कहीं जरा सी भी कमी रह गई, कहने का मतलब कि इतनी उच्च कोटि की सख्त सुरक्षा मापदंडों और मजबूत प्रोटोकोल के बावजूद यदि कमी रह जाती है तो मानना होगा कि नैसर्गिक बुद्धि तो गलतियां करती रही है अब नकली बुद्धि भी कर रही है।

गलती न करने की मंशा होते हुए भी हो ही जाती है। देखिए, नई तरह से नई गलती होगी तभी तो बचाव करने, बचने के नए उपाय किए जाएंगे, उनका आविष्कार होगा। सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए संभव और सघन प्रयास किए जाएंगे। होता क्या है कि घटना के बाद कई बातें चलती रहती हैं। अलग अलग विचार उगाए जाते हैं। कमबख्त राजनीति को बीच में न भी लाना चाहें तो भी आ ही जाती है। राजनीति का चरित्र ही ऐसा है। हम फिर कह रहे हैं कि हमारे यहां बहुत कड़े सुरक्षा मानक हैं। अब समझिए न, सुरक्षा के कड़े मानकों की असली परीक्षा तो तभी होगी न जब उस स्तर की कोई दुर्घटना होगी। ठीक जैसे कार में जो एयर बैग लगे होते हैं वे तभी खुलते हैं जब परखी हुई गति पर दुर्घटना होती है।

छोटी मोटी दुर्घटना से सुरक्षा को ज्यादा परेशानी नहीं होती। बड़ी दुर्घटना में मुश्किल होती है। अब जब सब महसूस कर लिया गया है तो ठोस, गहन और विस्तृत जांच होनी चाहिए। इसलिए हमारे द्वारा विस्तारित निगरानी के आदेश दिए गए है। देखिए, पहले ही दिन से जबर्दस्त जांच शुरू हो गई है। जांच पूरी ईमानदारी से की जाएगी तो सच निकलकर बाहर आएगा, उसे आना ही होगा।

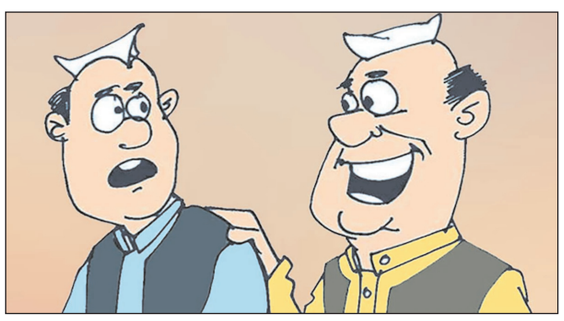

जांच ही बताएगी कि पहले क्या स्थिति थी और जांच के बाद क्या बनी। अब तक जितनी जांच हुई है वह बेहद सुचारू रूप से आगे ले जाई जा रही है। देखिए, अब यह तो स्वाभाविक है न जी कि कुछ हुआ होगा तभी जांच होगी। घटना से पहले तो कुछ पता नहीं होता, कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा सकती।

जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी है जिसमें यह सचिव, वह सचिव, ऐसे सचिव, वैसे सचिव, यहां के अधिकारी, वहां के अधिकारी शामिल किए गए हैं। जिनके पास असीम शक्तियां हैं। बहुत जानदार, वजनदार रिपोर्ट तैयार होने जा रही है। जांच कोई स्वादिष्ट सब्जी तो है नहीं जिसका सुनिश्चित फामूर्ला हो और खास खानसामा भी। जांच की रिपोर्ट में विविध खामियों की रिपोर्ट एक दम सार्वजनिक नहीं कर सकते। मुश्किल काम में थोड़ा नहीं ज्यादा समय लगता है जी। आप तो समझते ही हैं, धमकियों लालच, शार्टकट, दबाव और चिंताओं की जांच करना मजाक नहीं है। इसमें व्यवस्था, जोखिम और भाग्य का रोल भी महत्त्वपूर्ण है। जिसकी उम्र ज्यादा लिखी हुई है वह हर स्थिति में बच जाएगा।

जिसकी उम्र ज्यादा होगी उसे तो बचना ही है। सुरक्षा और विशवास मामलों में अंधविशवास प्रवेश कर जाता है।

दो भाईयों की कलाई पर अब कौन बांधेगा राखी

हाईवे पर एक भाई सहित बहन की भी हो चुकी है मौत - मैनपुरी में भीषण सड़क हादसे में हुई थी एक ही परिवार के पांच की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बेवर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 34 पर गांव नगला ताल के पास शुक्रवार की दोपहर भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में मृत सुजाता, इंद्रपाल सिंह की इकलौती बेटी थीं। उनके परिवार में तीन बेटे इंद्रपाल, दीपक और राकेश हैं। इस हादसे में दीपक की भी मौत हो गई। परिवार गमगीन हैं। दो अन्य भाई अवधेश और राकेश का रो-रोकर बुरा हाल है। वह फफक-फफक कर कहने लगे कि सुजाता चली गई। उसने दीपक से अपने स्नेह का बंधन तो निभा लिया। मगर, अब बचे हुए दो भाइयों की कलाई पर राखी कौन बांधेगा।

तीन भाइयों में इकलौती बहन सुजाता की शादी पांच साल पहले ही प्रशांत के साथ हुई थी। प्रशांत भदौरिया की स्थिति तो अपनी पत्नी और बेटी का शव देखकर यह हो गई कि उनके रुंधे गले से आवाज तक नहीं निकल रही थीं। बस आंखों में आंसुओं का सैलाब उमड़ रहा था। मृतकम पूजा और दीपक की शादी 14 साल पहले हुई थी। बीती 3 मई को ही उन्होंने शादी की 14वीं वर्षगांठ मनाई थी। कार में दीपक और पूजा आगे ही बैठे थे। दोनों की एक साथ मौत इनकी एक बेटी आशी की मौत इस हादसे में होने से परिवारीजनों में मातम पसरा हुआ है।

आराध्या के जीवन सलामती की दुआ परिजन कर रहे

कार हादसे में गंभीर आराध्या के जीवन की सलामती की दुआ पूरा परिवार कर रहा है। दीपक की पत्नी पूजा का मायका कन्नौज के सौरिख के स्थित जगदीशपुर गांव में है। पूजा के पिता, माता की मौत हो चुकी है। अब पूजा के मायके में सिर्फ एक भाई धर्मेंद्र हैं, जो कि पेशे से किसान हैं।

जन्मदिन समारोह से लौट रहा था परिवार

बेवर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 34 पर गांव नगला ताल के पास शुक्रवार की दोपहर भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। एक बच्ची घायल है। किशनी थाना क्षेत्र के गांव हरीपुर कैथोली का यह परिवार आगरा में आयोजित जन्मदिन समारोह से लौट रहा था। इस हादसे में मूलरूप से हरीपुर कैथोली गांव और हाल निवासी आवास विकास कॉलोनी, छिबरामऊ, कन्नौज निवासी 36 बर्षीय दीपक चौहान, पत्नी 34 बर्षीय पूजा, बेटी 9 बर्षीय आशी, बहन 35 बर्षीय सुजाता निवासी फरुखाबांद व 4 बर्षीय भांजी आर्या की मौत हो गई थी, तथा 11 बर्षीय आराध्या गंभीर घायल है। जिसका इलाज सैफई मेडीकल कॉलेज में चल रहा है।

मैनपुरी में किसान की गोली मारकर हत्या

पशुओं के बाड़े में सो रहे थें किसान, खून से लथपथ मिला शव

घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस अफसर

घटना की सूचना मिलने के बाद एएसपी सिटी अरुण कुमार सिंह, सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा, इंस्पेक्टर भोगांव कोतवाली प्रदीप पांडेय और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई। जहां पुलिस ने जांच के लिए नमूने एकत्र कर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

परिजनों ने गोली मारकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में एएसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया गोली लगने से मृत्यु होना स्पष्ट हो रहा है। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। भोगांव थाना क्षेत्र के गांव नगला मधु में शुक्रवार की रात्रि घर के बाहर पशुओं के बाड़े में सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह जब परिजन वहां पहुंचे तो चारपाई पर उनका शव रक्तरंजित हालत में पड़ा मिला। सूचना पाकर एएसपी सिटी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षक करके जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच और कार्रवाई में जुट गई है। भोगांव थाना क्षेत्र के नगला मधु निवासी 60 वर्षीय किसान कृपाल सिंह खेती कर अपने परिजनों का भरण पोषण करते थे। रोजाना की तरह शुक्रवार की रात्रि को भी खाना खाने के बाद वह घर के बाहर स्थित पशु बांधने वाले बाड़े में सोने चले गए थे।

शनिवार सुबह जब काफी देर तक वह घर नहीं पहुंचे तो परिजन वहां पहुंच गए, चारपाई पर उनका शव रक्तरंजित हाल में देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

छोटी खबरें

पति के जिंदा होते हुए भी महिला ले रहीं विधवा पेंशन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। पति के जिंदा होने के बाबजूद एक महिला द्वारा विधवा पेंशन लिए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री सहित जनपद के उच्चाधिकारियों से की गई है। शिकायत में समाज कल्याण विभाग द्वारा विधवा को दिए जाने वाले तीस हजार रुपयों के अनुदान को भी हड़प कर लेने की जानकारी दी गई है। तहसील क्षेत्र के गांव नगला सुदामा परगना बेवर निवासी आरती देवी पाल पत्नी धीरेन्द्र सिंह पाल ने मुख्य मंत्री सहित जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और जिला समाज कल्याण अधिकारी को भेजी गई शिकायतों में कहा गया है कि उसके सगे देवर नेत्रपाल पुत्र रामशंकर की विगत आठ साल पहले 17 मई 2017 को बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उसकी पत्नी ने पति नेत्रपाल के मरने के कुछ दिनों बाद ही दूसरी शादी कर ली। इसके बाद उसकी सगी जेठानी आशा देवी पाल पत्नी अशोक कुमार पाल ने दलाल के माध्यम से तहसील में लेखपाल कानूनगो से साज करके जिले के अधिकारियों से तथ्यों को छिपाकर फर्जी कागजों और रिपोर्ट के आधार पर अपने को मृतक देवर नेत्रपाल की पत्नी दिखा दिया। जेठानी आशा देवी पाल ने समाज कल्याण विभाग से विधवा को मिलने बाला तीस हजार रुपयों का अनुदान भी प्राप्त करने के बाद लगातार आठ साल से विधवा को मिलने वाली पेंशन भी लेती चली आ रही है। कार्रवाई के बाद धनराशि रिकवरी की मांग

महिला ने मुख्यमंत्री से वित्तीय घपले में लिप्त अपनी जेठानी आशा देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने ओर फर्जी कागज के आधार पर ली जा रही विधवा पेंशन की धनराशि वसूले जाने की मांग की है। पीड़ित ने फर्जी बाड़े में लिप्त सभी कर्मचारियों के भी खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

करंट से मृत युवती के परिजनों से मिले ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के सींगपुर में विद्युत करंट से युवती की मौत होने पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने उनके घर पहुंचकर परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। ज्ञात हो कि 22 जुलाई को क्षेत्र के सींगपुर निवासी फूल सिंह जाटव की 20 वर्षीय पुत्री रानी जाटव धान की रोपाई के बाद घर पर पंखा चलाने के दौरान करंट की चपेट में आ गयी थी। करंट से रानी की मौके पर ही मौत हो गयी थी। शनिवार को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल बाल्मीकि युवती के घर पहुंचे। उन्होंने युवती के परिजनों को पार्टी से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने परिवार को सरकार द्वारा मिलने वाली सभी सुविधाओं का लाभ दिलाने की बात कही। इस मौके पर सचिव अरविंद कुमार, जेई जितेंद्र शाक्य, बीडीसी महेंद्र सिंह, अनूप शाक्य, रंजीत कुमार, विपिन कुमार, सचिन प्रजापति, जितेंद्र जाटव, हुकुम सिंह, विजेंद्र सिंह, प्रीतम सिंह, करू, कमलेश कुमार सहित कई ग्रामवासी मौजूद रहे।

किसी प्रसूता की मौत होने पर क्यों दौंड़ती है स्वास्थ्य विभाग टीम

करहल में प्रसूता की मौत के बाद तीन अस्पताल किए गए सीज

अब सवाल, प्रसूता की मौत का कौन जिम्मेदार, मैनपुरी में अवैध रुप से संचालित सैंकड़ो हॉस्पिटल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आखिर किसकी मेहरवानी से संचालित सैंकड़ो हॉस्पिटल

अगर देखा जाए तो मैनपुरी जनपद में सैंकड़ो हॉस्पिटल अवैध संचालित किए जा रहे है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग जब किसी हॉस्पिटल में किसी प्रसूता की मौत हो जाती है तभी कार्रवाई करता है। प्रसूता की मौत से पहले स्वास्थ्य गहरी नींद में सोया हुआ रहता है। अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय रहते अवैध हॉस्पिटलों पर कार्रवाई करें तो शायद किसी प्रसूता की मौत को टाला जा सकता है। लेकिन मैनपुरी के स्वास्थ्य विभाग में चांदी के सिक्को का खेल चल रहा है।

प्रसूता की मौत के बाद ही खुलती है स्वास्थ्य विभाग की नींद

जनपद में जब भी किसी हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत हो जाती है। मैनपुरी के स्वास्थ्य विभाग की नींद भी तभी खुलती हैं, प्रसूता की मौत के बाद अवैध हॉस्पिटलों के खिलाफ धड़ाधड़ कार्रवाई की जाती है। लेकिन प्रसूता की मौत से पहले स्वास्थ्य विभाग की नींद नहीं खुलती है। अगर स्वास्थ्य विभाग अवैध हॉस्पिटलों का संचालन ही नहीं होने दें तो किसी प्रसूता की जिंदगी बचाई जा सकती है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग ऐसा नहीं करता है।

क्या बोले डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री

मैनपुरी के हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत होने पर ही हॉस्पिटलो पर कार्रवाई होने का मामला संज्ञान में नहीं है। अगर मैनपुरी जनपद में अवैध रुप से हॉस्पिटल संचालित किए जा रहे है। और स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनपर कार्रवाई क्यो नहीं की जा रहीं है। इसकी पूरी जांच कराई जाएगी, जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। मैनपुरी में अवैध हॉस्पिटलों का संचालन किसी भी सरूत में नहीं होने दिया जाएगा।- बृजेश पाठक, डिप्टी सीएम/स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ।

मैनपुरी। कस्वा करहल स्थित न्यू आशा हॉस्पिटल में सिजेरियन प्रसव के बाद 32 वर्षीय महिला की आगरा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को दौड़ लगाई। न्यू आशा हॉस्पिटल को सीज कर दिया। इसके अलावा दो अन्य अस्पताल भी सीज किए। इनमें दिव्यांशी हॉस्पिटल और राधा हॉस्पिटल भी शामिल रहा। इन तीनों के पास पंजीकरण मान्य नहीं पाया गया। बिना पंजीकरण रिन्यूअल के इनको संचालित किया जा रहा था।

ज्ञात हो कि कुर्रा थाना क्षेत्र के भटोहा गांव निवासी रविकांत उर्फ रवि की पत्नी नंदिनी को प्रसव पीड़ा होने पर 29 जुलाई को करहल स्थित न्यू आशा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। शाम को सिजेरियन प्रसव के बाद नंदिनी ने एक पुत्री को जन्म दिया, लेकिन ऑपरेशन के कुछ ही देर बाद उन्हें अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। हालत बिगड़ते देख, डॉक्टर स्वयं नंदिनी को परिजन के साथ मेडिकल कॉलेज सैफई ले गए। वहां से गंभीर हालत बताकर उन्हें रेफर कर दिया गया। इसी बीच डॉक्टर वहां से फरार हो गया। परिजनों ने नंदिनी को आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। डिप्टी सीएमओ एवं नोडल अधिकारी पंजीकरण डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह न्यू आशा हॉस्पिटल, राधा हॉस्पिटल और दिव्यांशी हॉस्पिटल को सीज किया गया है।

शराब के क्वार्टरों के साथ महिला गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। थाना की नवीन मंडी चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक परमेश्वर दयाल ने महिला आरक्षियों के साथ एक महिला को देशी शराब के 22 क्वार्टरो के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाने पर लाकर पुलिस द्वारा महिला के खिलाफ आगे की कार्रवाई की गई है। शनिवार को नवीन मंडी चौकी इंचार्ज परमेश्वर दयाल कां. ललित नारायन व महिला आरक्षी कोमल व नेहा के साथ नेशनल हाईवे संदिग्ध लोगो की तलाश में खड़े हुए थें, नवीन मंडी से कुछ दूरी पर उन्होने संदिग्ध महिला नैकसी देवी पत्नी गुड्डू निवासी नगला ऊसर को गिरफ्तार कर लिया, तलाशी लेने पर उसके पास से पुलिस को देशी शराब के 22 क्वार्टर वरामद हुए, गिरफ्तार करके महिला को थाने लाया गया, जहां पूछतांछ करने पर उसने वरामद क्वार्टर घर ले जाकर अधिक दामों में बेचने की कहकर गुनाह स्वीकार कर लिया। जिसके बाद पुलिस द्वारा उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की गई है।

कोर्ट केस में उपस्थित न होने पर गृह सचिव व सीएमओ को अंतिम मौका

- जिला अस्पताल में कैंसर यूनिट शुरू न होने और हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती न होने दर्ज हुआ केस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के कचहरी रोड स्थित महाराजा तेज सिंह जिला अस्पताल कैंसर यूनिट के शुरू न होने और हृदय रोग विशेषज्ञ न होने पर परेशान जनता के जनहित में मैनपुरी के समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया ने स्थाई लोक अदालत में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग लखनऊ, निदेशक स्वास्थ्य विभाग लखनऊ तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी मैनपुरी के विरुद्ध यह कहकर मुकदमा दर्ज कराया है।

कोर्ट में दर्ज कराए गए केस में अधिवक्ता ने कहा है कि शहर में लगभग 15 वर्ष पूर्व जिला अस्पताल परिसर में कैंसर यूनिट की स्थापना सरकार द्वारा करोड़ों रुपए की धनराशि खर्च किए जाने के बाद यूनिट लगाई गई थी जो की बर्ष 2008 में कैंसर यूनिट लगाने के बाद 2010 में कैंसर यूनिट पर 2 करोड़ से अधिक की मशीन स्थापित कराई गई थी, मैनपुरी में हर साल लगभग 100 मरीजों की कैंसर से मृत्यु हो जाती है, यह एक गंभीर बीमारी है जो कि एक बहुत ही चिंता का विषय है कि जिला अस्पताल में कैंसर यूनिट में ना तो कोई कैंसर विशेषज्ञ उपस्थित है, इस घातक बीमारी के लिए आए दिन मरीजों को ग्वालियर, लखनऊ, आगरा एवं अन्य शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता है, खासकर मुंह और गलें का कैंसर की सर्वाधिक मरिज है।

तंबाकू के अधिक सेवन से होता है केंसर

केस में अधिवक्ता ने कहा है कि तंबाकू का अधिक सेवन के कारण यह बीमारी होती है, काफी मरीज जो कि पैसे के आभाव में अन्य जगहों पर इलाज के लिये नहीं जा पाते है, वह कम समय में मृत्यु का सामना करना पड़ता है। कैंसर रोग के लिए ना तो कोई स्टाफ नर्स है ना ही डॉक्टर है एक डॉक्टर पहले भेजा गया था, उसने भी वहां पर ज्वाइन नहीं किया, जबकि स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से भी कई बार लोगों ने शिकायत की गई। किंतु कोई भी कैंसर रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं कराया गया और ना ही यूनिट को चालू कराया गया।

हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती जिला अस्पताल में नहीं

शहर में काफी संख्या हृदय रोग के मरीज है उन्हें भी आए दिन समस्याओं से परेशानी का सामना करना पड़ता है, उन्हें ज्यादातर सैफई, आगरा के लिए भागना पड़ता है क्योंकि यहां पर कोई हृदय रोग विशेषज्ञ नहीं है, जबकि जिले में हृदय रोगों की क्योंकि संख्या काफी अधिक हो गई है, रात में अचानक यदि किसी व्यक्ति को हृदय में दर्द होता है तो रात में कोई मैनपुरी शहर में कोई डॉक्टर नहीं है। जिससे उन्हें उपचार मिल सके।

नोटिस भेजने के बाद नहीं पहुंचे गृह सचिव व सीएमओ

समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया 10 जनवरी 2024 को स्थाई लोक अदालत केस दर्ज कराया था, जिसके बाद कोर्ट से गृह सचिव स्वास्थ्य और निदेशक स्वास्थ्य विभाग को नोटिस एवं रजिस्टर्ड डाक द्वारा पत्र भेजे तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी लिखित जवाब दाखिल करने के लिए वकील करने के लिए नोटिस सूचनाओं भेजी गई, लेकिन कोई भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ, जिस पर स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष शाम कुमार व सदस्य एकता मिश्रा, जितेंद्र द्वारा उपरोक्त अधिकारियो द्वारा उपस्थित न होने पर अंतिम मौका देते हुए 14 अगस्त तारीख नियत की गई। इस तारीख को यदि कोई भी उपस्थित नहीं हो जाता है तो एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए कैसे चलाया जाएगा, जिसकी समस्त उत्तरदायित विपक्षी लोगों के होंगे।

सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने वालों पर हो भूमाफिया की कार्रवाई

संपूर्ण समाधान में डीएम ने भोगांव तहसील में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव में शिकायतें सुनने के दौरान जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह के सम्मुख जब फरीदपुर निवासी पूर्व सैनिक महेंद्र सिंह ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि गाटा संख्या-279 की पक्की पैमाइश के उपरांत 07 मई को कानूनगो द्वारा पुलिस की मौजूदगी में पक्की मुट्ठी लगवा दी गई थी, उसके बाद भी विपक्षी कुलफ सिंह, शिवपाल, लज्जाराम, सुरेंद्र, प्रेमपाल आदि द्वारा कब्जा नहीं छोड़ा जा रहा है, जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी भोगांव को निर्देशित करते हुए कहा कि पक्की पैमाइश के उपरांत यदि किसी के द्वारा अनधिकृत कब्जा न छोड़ा जाए तो उसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए। भोगांव क्षेत्र के ग्राम प्रयागपुर निवासी महाराज सिंह, पवन, रामवीर, श्याम सिंह ने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि गाटा संख्या-228, 230 नवीन परती एवं गाटा संख्या-134 की भूमि चारागाह के नाम दर्ज है, कुछ दबंग लोगों ने चारागाह, ग्राम सभा की भूमि पर अनाधिकृत कब्जा कर पक्का निर्माण करा लिया है, जिस पर उन्होंने थानाध्यक्ष, राजस्व निरीक्षक को तत्काल जांच कर प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित करते हुए कहा कि यदि किसी के द्वारा ग्रामसभा, चारागाह की भूमि पर अवैध अतिक्रमण किया गया हो तो उसे तत्काल खाली कराकर अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरुद्ध भूमाफिया की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। श्री सिंह ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अनाधिकृत कब्जों से संबंधित शिकायतें निरंतर प्राप्त हो रही हैं, पक्की पैमाइश के बाद भी पात्रों को कब्जा नहीं मिल पा रहा है, कुछ स्थानों पर सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही हैं, कई शिकायतकर्ता नाम संशोधन कराने के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि कहीं भी सार्वजनिक भूमि पर कब्जा न रहे, पक्की पैमाइश के बाद पात्र को भूमि पर कब्जा दिलाया जाए।

28 शिकायती पत्र आए 6 का मौके पर निस्तारण

शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव क्षेत्र के 28 फरियादियों ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के सम्मुख निराकरण हेतु प्रस्तुत किये, जिसमें से 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी भोगांव संध्या शर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

तमंचा लहराकर लोधी युवक की मारपीट मामला

पुलिस कार्रवाई नही करेगी तो करेंगे उच्चाधिकारियों से शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना क्षेत्र में मैनपुरी रोड स्थित कैंटीन संचालन करने वाले एक लोधी समाज के युवक को कुछ जाति विशेष के युवको द्वारा मारपीट कर दी गई थी, इस दौर जाति विशेष के एक युवक द्वारा तमंचा भी खुलेआम लहराया गया था, तमंचा की बट से मारपीट करके फायर भी किया गया था। जिसका एक बीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जाति विशेष के युवको द्वारा लोधी समाज के युवक पर किए गए अत्याचार के बाद लगातार ही तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को भी भोगांव में लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे, उन्होने समाज के लोगो के साथ बैठक की तथा प्रेसवार्ता कर पूरे मामले की जानकारी भी साक्षा की। लोधी समाज के नेता आरोपियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे है।

शनिवार को भोगांव पहुंचे लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह वर्मा ने बस स्टैंड के निकट देवेंद्र सिंह राजपूत के आवास पर अपने तीखे तेबर दिखाते हुए कहा कि किसी की भी गुंडई किसी कीमत पर भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार को कैंटीन संचालक गांव जसवंतपुर निवासी निर्दोष अनुराग राजपूत के साथ कस्बे में दिनदहाड़े सरे बाजार जाति विशेष के आरोपितों ने लाठी डंडों, तमंचे की बट से प्रहार कर घायल कर तमंचे से फायर कर जान लेवा हमला कर देने से लोधी समाज आक्रोशित है। लोधी समाज के नेताओं ने तीखे तेबर दिखाकर कहा कि इस घटना में पुलिस ने अगर उचित धाराओं में समुचित कार्रवाई नहीं की तो उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी।

मामले को लेकर लोधी समाज में आक्रोश व्याप्त

भोगांव में जाति विशेष के कुछ युवको द्वारा तमंचा लहराकर तमंचा की बट से लोधी समाज के युवक की मारपीट करने के बाद से लोधी समाज में आक्रोश व्याप्त है। फिर चाहे लोधी समाज के नेता सत्ताधारी दल भाजपा के हों, या फिर सपा के नेता हो, लेकिन इस मामले के बाद सभी एक सुर में मामले का विरोध कर रहे है। लोधी समाज के नेता पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर रहे है। बैठक में यह रहे मौजूद

लोधी समाज की बैठक के दौरान जनपद एटा के मारहरा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी, सतपाल लोधी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कश्मीर सिंह लोधी, महाराज सिंह राजपूत, कलेक्टर सिंह राजपूत, जीतू राजपूत, संजीव राजपूत आदि मौजूद रहे।

पालिका के आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन दिलाने की मांग

स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ ने प्रभारी अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी

कासगंज। स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ ने नगर पालिका परिषद कासगंज में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के तीन माह के बकाए वेतन का भुगतान कराने की मांग की है। जिससे आउटसोर्स कर्मचारी भी रक्षाबंधन के त्योहार को खुशीपूर्वक मना सकें। इस संबंध में प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा है। एसडीएम व प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कासगंज को सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आ चुका है, लेकिन अभी तक पालिका के तहत काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है। वेतन नहीं मिलने की वजह से कर्मचारियों को परिवार के भरण पोषण में दिक्कतें हो रही हैं। जबकि वह अपने कार्य को बखूबी पूरा कर रहे हैं। मांग की है कि जल्द ही आउटसोर्स कर्मचारियों को उनका वेतन दिलाया जाए। ज्ञापन देने वालों में संगठन के जिलाध्यक्ष सोनू भंडारी, जिला उपाध्यक्ष तरुण प्रसाद, मंडल मंत्री सुखराम, आकाश, मुकेश कुमार समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने तहसील पटियाली क्षेत्र के कादरगंज घाट का स्थलीय निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सुरक्षात्मक उपाय कर लिए जाएं इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश -जिलाधिकारी

मोर्निंग सिटी

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ तहसील पटियाली क्षेत्र के कादरगंज घाट का स्थलीय निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं का मौके पर जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि यहां समस्त प्रशासनिक व्यवस्थायें चुस्तदुरूस्त रखी जायें। किनारों पर गहरे पानी के आसपास बैरीकेटिंग और खतरे के निशान अवश्य लगाये जाये घाटों पर विशेष सतर्कता रखी जाये जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि समस्त सुरक्षात्मक उपाय अवश्य कर लिये जायें। जिससे जल स्तर बढ़ने पर ग्रामवासियों को कोई समस्या उत्पन्न न हो। इस कार्य को प्राथमिकता से किया जाये। कटान रोधक कार्यों को तेजी से पूरा किया जाये। बाढ़ चैकियां पूर्ण रूप से अभी से सक्रिय रहें। बढ़ते जल स्तर पर हर समय नजर रखी जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा घाटों पर फ्लड यूनिट, वॉच टावर, रूट डायवर्जन, बैरीकेटिंग, फूड सेफ्टी, वाहन पार्किंग, विद्युत, साफ सफाई, पेयजल, चेंजिग रूम, यातायात, वाहनों की पार्किंग सहित समस्त व्यवस्थायें बनाये रखें। महिलाओं के लिये कांवड़ यात्रा रूट में अस्थायी शौचालय तथा घाटों पर चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम पटियाली प्रदीप कुमार, तहसीलदार, अपर मुख्य अधिकारी, एडीओ पंचायत तथा राजस्व, सिंचाई एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएचसी परिसर में बरिश का पानी भरनें से परेशान हुई प्रसूतायें

मरीज व परिजन गंदे पानी में घुसकर निकलनें को हुये मजबूर

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर के चैराहा स्थित बंद हो चुके पीएचसी में स्थापित प्रसव केंद्र एवं राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल परिसर में बरसात के बाद हालात बदतर हो गए हैं। केंद्र परिसर में जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण बरसात का गंदा पानी भर गया है, जिससे वहां पहुंचने वाली प्रसूताओं और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को परिजनों के साथ एक प्रसूता प्रसव पीड़ा के चलते केंद्र पहुंची, तो उसे गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। पानी में कूड़ा-कचरा और कीचड़ भरा था, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। परिजनों ने बताया कि न सिर्फ प्रवेश द्वार से लेकर वार्ड तक पहुंचने वाले रास्ते में भी पानी भरा हुआ था। पूर्व में स्वास्थ्य कर्मी सहित स्थानीय लोगों द्वारा शिकायत करने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई उचित कदम नहीं उठाया गया। प्रसव केंद्र जर्जर होने चलते सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। ऐसे हालात में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिलना मुश्किल होता जा रहा है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रसव केंद्र की सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि बरसात में किसी प्रसूता को इस तरह की दुश्वारी न झेलनी पड़े।

छोटी खबरें

पिछडा वर्ग शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 94.80 लाख से लाभान्वित हुए 474 लाभार्थी

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़ । जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी सुनहरी लाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि पिछडा वर्ग शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले को कुल 1631 आवेदकों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत जिले को 816 आवेदकों के लिए 163.20 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। उन्होंने बताया कि विगत 31 जुलाई को अनुदान के रूप में 350 पात्र आवेदकों के बैंक खातों में 20 हजार रुपए प्रति लाभार्थी की दर से ई-कुबेर के माध्यम से 70 लाख रुपए की धनराशि का व्यय कर लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक 474 लाभार्थियों को 94 लाख 80 हजार रुपए से लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जनपद के अन्य पिछडे वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोडकर) के गरीब व्यक्तियों को सूचित किया है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख प्रतिवर्ष से अधिक न हो और जिन्होंने अपनी पुत्रियों की शादी की तिथि सुनिश्चित कर ली हो अथवा शादी हो चुकी हो, जो कि 90 दिन के अन्तर्गत हो तो ऐसे आवेदक तत्काल किसी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से शादी अनुदान पोर्टल पर आवेदन करा सकते है। ताकि शासन की मंशानुसार अधिकाधिक आवेदकों को शादी अनुदान का लाभ प्रदान किया जा सके।

जिला मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र में 31 मध्यस्थ अधिवक्ताओं के चयन के लिए आवेदन आमंत्रित

पात्र अधिवक्ता 05 अगस्त तक करें आवेदन

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़ । माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में जिला मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र, अलीगढ़ में मध्यस्थ अधिवक्ता (मीडियेटर) के रूप में कार्य करने के लिए 31 अधिवक्ताओं का चयन किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मध्यस्थ अधिवक्ता के रूप में आवेदन करने के लिए इच्छुक अधिवक्ताओं के पास 01 अगस्त 2025 को न्यूनतम 10 वर्ष का वकालत का अनुभव होना आवश्यक है। साथ ही, सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारीगण (जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) तथा ऐसे विशेषज्ञ/वृत्तिक, जिन्हें विधि क्षेत्र का सम्यक ज्ञान हो और 15 वर्ष या उससे अधिक का प्रासंगिक अनुभव हो, वे भी आवेदन के पात्र होंगे। वर्तमान में कार्यरत ऐसे मध्यस्थ अधिवक्तागण, जिनका कार्यकाल 19 सितम्बर 2025 को समाप्त हो रहा है, वे भी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र 05 अगस्त 2025 तक प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलीगढ़ के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण आवेदन पत्र 05 अगस्त 2025 को सायं 5 बजे तक आवश्यक प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों सहित कार्यालय में जमा किया जाना अनिवार्य है। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। यह अवसर उन अधिवक्ताओं व विधि विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जो वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली (अऊफ़) के क्षेत्र में सेवा प्रदान कर समाज के न्यायिक बोझ को कम करने में सहभागी बनना चाहते हैं।

नियाश्रित गोवंशों को संरक्षण केंद्र भेजने की डीएम से मांग

मोर्निंग सिटी

कासगंज। जनपद में शहरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित गोवंशों को पकड़कर उन्हें संरक्षण केंद्र भेजे जाने की मांग डीएम से की गई है। राष्ट्रीय गो रक्षक संघ ने इस संबंध में डीएम को ज्ञापन भी सौंपा है। डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. आकाश शर्मा व मण्डल अध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया है कि मथुरा बरेली हाइवे समेत अन्य मार्गों पर निराश्रित गोवंशों का जमावडा रहता है, इससे राह गुजरते समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ऐसे गोवंशों को पकड़कर गोशालाओं में पहुंचाया जाए। साथ ही गोवंशों को निराश्रित छोड़ने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

सब्जी मंडी में मृत मिला व्यक्ति, शिनाख्त नहीं

मोर्निंग सिटी

कासगंज। शहर के अमांपुर रोड स्थित सब्जी मंडी परिसर में एक व्यक्ति मृतावस्था में मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक सब्जी मंडी परिसर में एक व्यक्ति के मृतावस्था में पड़े होने की जानकारी पुलिस को मिली। सूचना के बाद इंस्पेक्टर मय पुलिस बल के पहुंच गए। घटना स्थल का निरीक्षण किया। मंडी परिसर में अरूण शाक्य एंड कम्पनी फल विक्रेता के तख्त पर व्यक्ति मृत अवस्था में था। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से मृतक के शव की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। 72 घंटे के लिए शव को पोस्टमार्टम हाउस पर रखवा दिया है।

एएमयू में छात्रों का हंगामा, फीस बढ़ोतरी के खिलाफ भड़का आक्रोश

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में फीस बढ़ोतरी को लेकर छात्रों में जबरदस्त नाराजगी देखी जा रही है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि "सेल्फ फाइनेंस" के नाम पर लगातार आर्थिक शोषण किया जा रहा है।प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि अटव जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय में गरीब छात्रों से इतनी भारी-भरकम फीस लेना नाइंसाफी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब शिक्षा सभी के लिए होनी चाहिए, तो फीस में बार-बार बढ़ोतरी क्यों की जा रही है?छात्रों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब बाब ए सैयद गेट पर बाहर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया जाता है, तो कुछ देर बाद प्रॉक्टोरियल स्टाफ ने उन्हें डंडों के बल पर वहां से खदेड़ देता है।छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर फीस वृद्धि वापस नहीं ली गई और बातचीत के लिए मंच नहीं खोला गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

बीएसएनएल में एक रुपये में 31 अगस्त तक 2 जीबी डाटा और वॉइस कॉलिंग का मिलेगा लाभ

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे देश में बीएसएनएल द्वारा विशेष सिम सेल ऑफर चलाया जा रहा है, जिसमें बीएसएनएल अपने सम्मानित ग्राहकों को 1 रुपये में सिम देने का काम किया जा रहा है, जिसमें 1 अगस्त से 31 अगस्त तक असीमित वॉइस कॉलिंग प्रतिदिन 2 जीबी हाईस्पीड डाटा एवं सौ एसएमएस प्लान के साथ 30 दिन की वैधता मिल रही है। शहर में बीएसएनएल के लगभग 200 टावर हैं। बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक (सेल्स और मर्केटिंग) आशीष तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीएसएनएल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने सम्मानित ग्राहकों के लिए एक विशेष सिम ऑफर अभियान के अंतर्गत सिर्फ1 रुपये में 1 अगस्त से 31 अगस्त तक सिम देने का काम किया जा रहा है, जिसमें असीमित वॉइस कॉलिंग प्रतिदिन 2 जीबी हाईस्पीड डाटा एवं सौ एसएमएस प्लान के साथ 30 दिन की वैधता मिल रही है। यह स्कीम 31 अगस्त तक लागू रहेगी। यह ग्राहकों के लिए कम लागत में निर्बाधित कनेक्टिविटी पाने का मौका भी है। आशीष तिवारी सहायक महाप्रबंधक (सेल्स और मर्केटिंग) ने पत्रकारों को बताया कि यह विशेष सिम सेल ऑफर सिकंदराराऊ, हाथरस, एटा, कासगंज और अलीगढ़ के खैर, अतरौली शहर के विभिन्न बीएसएनएल सेवा केंद्रों पर विशेष सिम सेल ऑफर कैंप लगाकर सम्मानित ग्राहकों को 1 रुपये में सिम उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनता इस बीएसएनएल की विशेष सिम सेल ऑफर का लाभ उठाए और बीएसएनएल के बढ़ते कदम में राष्ट्रहित में अपना योगदान दें।

टायर फटने से पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी,,एक युवक की हुई दर्दनाक मौत

मोर्निंग सिटी

हाथरस! सिकंदराराऊ क्षेत्र स्थित दिल्ली कानपुर नेशनल हाईवे स्थित गांव फुलरई, मुगलगढ़ी के पास सुबह तीन बजे मैक्स पिकअप गाड़ी का टायर फट गया जिससे गाड़ी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और गाड़ी में सवार एक युवक की मौके पर मृत्यु हो गई

` थाना सहावर कासगंज के गांव बसई निवासी गौरव पुत्र सुखबीर एटा की ओर से दिल्ली की ओर चालक अली हसन के साथ माल लेकर जा रहा था` जीटी रोड स्थित गांव मुगलगढ़ी फुलरई के पास पहुंचते ही सुबह तीन बजे अचानक मैक्स पिकअप गाड़ी का टायर फट गया ओर गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई जिससे गाड़ी चालक अली हसन और गौरव जमीन पर गिर गए, मौके पर कोतवाली पुलिस में पहुंचकर दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने गौरव को मृत घोषित कर दिया और अली हसन की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया` और पुलिस ने गौरव के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाथरस भेज दिया

एएमयू की आफरीन जबीं बनीं इंग्लिश चैनल पार करने वाली विश्वविद्यालय की पहली छात्रा

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है, जब बीपीएड की छात्रा आफरीन जबीं ने इंग्लिश चैनल तैरकर पार कर इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली एएमयू की पहली छात्रा हैं। 29 जुलाई, 2025 को आफरीन ने डोवर (यूके) से कैप ग्रिस (फ्रांस) तक की 34 किलोमीटर की एकल यात्रा को 13 घंटे 13 मिनट में पूरा किया और 11 डिग्री सेल्सियस तापमान के ठंडे पानी को मात देकर उनहोंने यह इतिहास रचा। उन्होंने यह तैराकी लंदन समयानुसार प्रातः 3:45 बजे शुरू की थी। तेज धाराओं के बीच यह चुनौतीपूर्ण प्रयास आफरीन को अंतरराष्ट्रीय स्तर के सहनशीलता वाले तैराकों की विशिष्ट श्रेणी में शामिल करता है और एएमयू, उनके गृह राज्य पश्चिम बंगाल तथा पूरे भारत के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। पश्चिम मिदनापुर के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली आफरीन की यह यात्रा दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और संकल्प की मिसाल है। इस उपलब्धि से पहले ही वह ओपन वॉटर स्विमिंग में खुद को स्थापित कर चुकी थीं। उन्होंने विद्यासागर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व तीन बार ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एक्वाटिक चैम्पियनशिप में किया, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर पश्चिम बंगाल की ओर से प्रतिस्पर्धा की और 13, 21 और 24 किलोमीटर की लंबी दूरी की तैराकियां सफलता से पूरी कीं। एएमयू में दाखिला लेने से पूर्व उनका सबसे उल्लेखनीय कीर्तिमान गंगा नदी में आयोजित 81 किलोमीटर की विश्व की सबसे लंबी तैराकी प्रतियोगिता में लड़कियों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त करना रहा। एएमयू की छात्रा के रूप में आफरीन की यह उपलब्धि व्यक्तिगत ही नहीं, विश्वविद्यालय के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस ऐतिहासिक क्षण पर, आफरीन ने भारतीय ध्वज थामे हुए अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मैंने अपने देश, विश्वविद्यालय और परिवार को गर्व का अनुभव कराया, जिन्होंने हमेशा मेरे सपनों को पाने में मेरा साथ दिया। इस अवसर पर उनके भाई आदिल मोहम्मद (एएमयू के रसायन विभाग में पीएचडी छात्र) और भाभी रिजवाना यासमीन (नैनोटेक्नोलॉजी में एएमयू की गोल्ड मेडलिस्ट) भी उनके साथ कंधे से कन्धा मिलकर खड़े रहे। एएमयू की कुलपति प्रो. नइमा खातून ने इस उपलब्धि को सामूहिक उत्सव और गर्व का क्षण बताया और कहा कि आफरीन की असाधारण भावना आने वाले वर्षों में एएमयू के अनेक छात्रों को प्रेरणा देगी। उन्होंने कहा कि आफरीन ने एक ऐसी यात्रा की शुरूआत की है, जिसे हमारे और भी प्रतिभाशाली छात्र आगे बढ़ाएंगे। सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन और शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. इकराम हुसैन ने आफरीन को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि एएमयू में उन्हें जो शैक्षणिक और मानसिक प्रशिक्षण मिल रहा है, वह भविष्य में और भी उपलब्धियां दिलाएगा। पीआरओ की प्रभारी प्रो. विभा शर्मा ने जानकारी दी कि आफरीन और उनके भाई अभी यूके में हैं और शीघ्र ही अलीगढ़ लौटेंगे। उन्होंने फोन पर आफरीन और उनके परिवार को बधाई दी और विश्वविद्यालय समुदाय की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। आफरीन जबी के रूप में एएमयू को एक नई प्रेरणास्रोत छात्रा मिली है, यानि अलीगढ़ की वह बेटी, जिसने लहरों को चीरते हुए इतिहास रचा और विश्वविद्यालय का नाम विश्व पटल पर गौरव के साथ अंकित किया। खेल के क्षेत्र में उनका भविष्य अत्यंत उज्ज्वल प्रतीत होता है।

द्वितीय पुस्तक मेला को लेकर तैयारियां हुई तेज

18 से 22 अगस्त तक (पांच दिवसीय) होगा मेले का आयोजन

मोर्निंग सिटी

कासगंज। द्वितीय पुस्तक मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई है, जिसे लेकर सोरों गेट स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल में एक बैठक आहूत की गई। बैठक का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी (विः रा) राकेश कुमार पटेल, असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी एसपी उमराव, एआरटीओ राम प्रकाश मिश्रा एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। पुस्तक मेले के मुख्य आयोजक एवं समन्वयक जिला विज्ञान क्लब डॉ जयंत कुमार गुप्ता ने बताया की गत वर्ष चार दिवसीय मेले का आयोजन किया गया था, किंतु पुस्तक प्रेमियों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष पांच दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। पुस्तक मेले को अधिक आकर्षित और रोचक बनाने के लिए रात्रि कालीन कार्यक्रम भी आयोजित कराए जाएंगे। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कवि सम्मेलन, मैजिक शो, लाफ्टर शो, एक श्याम बिहारी जी के नाम, एजुकेशनल सेमिनार आदि रात्रि में आयोजित किए जाएंगे। अपर जिला अधिकारी ने कहा की पुस्तक मेला वास्तव में कासगंज के पुस्तक प्रेमियों के लिए एक नई सौगात के रूप में शुरू किया गया है। इससे विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति कम हो रहे लगाव से उन्हें उसे पुनः जीवित करने के लिए आत्म बल मिलेगा। वहीं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों से अपने करियर की अच्छी शुरूआत कर सकेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा की पुस्तक मेला विद्यार्थियों के लिए बहुत ही लाभप्रद एवं उपयोगी रहेगा। गत वर्ष भी मेले का सफल आयोजन हुआ था। उन्होंने कहा जिस तरह विद्यार्थियों का रुझान पुस्तकों से हट गया है वह पुनः उनके लिए एक वरदान के रूप में साबित होगा।जिन साक्षताओं का रुझान पुस्तकों की तरफ से विलुप्त हो गया है। असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी एसपी उमराव ने कहा की मेले को रोचक बनाने के लिए व्यापार मंडल एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से रात्रि कालीन कार्यक्रम भी आयोजित कराए जाएंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभारी डीआईओएस ने कहा की जनपद के विद्यार्थियों की अधिक से अधिक मेले में सहभागिता के लिए एक रूट चार्ट तैयार किया जाएगा। जिससे दूरदराज विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सहभागिता भी पुस्तक मेले में हो सके। आरटीओ ने कहा की छात्र-छात्राओं को पुस्तक मेले में भ्रमण हेतु लाने एवं ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था की जाएगी। जिससे तीनों तहसीलों के विद्यार्थी पुस्तक मेले का लाभ ले सकें। असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी एम एस सिद्दीकी ने कहा कि मेले को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक इंजीनियर अशोक कुमार तायल, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष मेजर आलोक कुमार दुबे, प्रधानाचार्य डी एस पाल, योगेश कुमार कुलश्रेष्ठ, सिरिल प्रकाश मॉरिस,सुधीर मिश्रा, लाल सिंह यादव,आलोक जौहरी, भारत सिंह वर्मा, रामकरण मोर्य, सुदेश वर्मा, अर्चना सक्सेना, एवं अन्य प्रधानाचार्य, शिक्षक - शिक्षिकाएं एवं पुस्तक प्रेमी उपस्थित रहे।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के दो वांछितों को पकडा

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। संगठित गैंग द्वारा अपने व अपने परिजनों के आर्थिक व भौतिक लाभ के लिये हत्या जैसे जघन्य अपराध कारित करनें बाले गैंगस्टर एक्ट में काफी समय से वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को कोतवाली पुलिस द्वारा छापेमारी कर हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही की गई है।

शनिवार को पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक संजीव कटारा चैकी प्रभारी समधन, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र सिंह चैकी प्रभारी मझपुर्वा ने हमराह सिपाहियों आदेश कुमार, सचिन कुमार, नागेन्द्र सिंह, विकुल कुमार के साथ मुखबिर की सूचना पर स्थानीय थाना पर पंजीकृत गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमें में वांछित चल रहे राजन उर्फ कमालुद्दीन पुत्र बहरुद्दीन निवासी ग्राम मझपुर्वा हाल निवासी मोहल्ला मुजाहिदनगर, राजा अली पुत्र मुजफ्फर अली निवासी ग्राम खाडेदेवर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करनें के उपरान्त न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

शासन की मंशानुसार जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व राज्य महिला आयोग सदस्य की उपस्थिति में तहसील पटियाली में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

मोर्निंग सिटी

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में तहसील पटियाली के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के बिल आने, विधवा व वृद्धावस्था पेंशन न मिलने, राशन कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उत्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 49 प्रार्थना प्रत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 04 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील पटियाली में मा० सदस्या, राज्य महिला आयोग उ०प्र० लखनऊ श्रीमती रेनू गौड, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राजीव अग्रवाल, उपजिलाधिकारी पटियाली प्रदीप कुमार, उपजिलाधिकारी न्यायिक, डीपीआरओ, डीएसओ, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसीलों कासगंज एवं सहावर में मुख्य विकास अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

संगठन की मजबूती को रालोद ने बनाए दो सक्रिय सदस्य

मोर्निंग सिटी

कासगंज। राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष ने संगठन की मजबूती के लिए पदाधिकारियों व सदस्यों को सक्रिय सदस्य बनाना शुरू कर दिया है। शनिवार को भी जिलाध्यक्ष शमीम अहमद अल्वी ने मानपुर नगरिया पहुंचकर जिला सचिव समसुद्दीन अब्बासी, वीरपाल बघेल को सक्रिय सदस्य बनाते हुए उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई। साथ ही उन्हें संगठन हित के लिए कार्य करने के निर्देश दिए है। इस दौरान अफजल अब्बासी, मनोज बघेल, समसुद्दीन अब्बासी, वीरपाल बघेल समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कैप्शन- कार्यकताओं को सदस्ता रसीद देते रालोद कार्यकर्ता।

शुक्रवार को गंगा किनारे पशु चराने गया चरगाह गंगा में डूबा

दूसरे दिन गंगा में उतराता मिला चरगाह का शव

मोर्निंग सिटी

कासगंज। सुन्नगढी थाना क्षेत्र में गंगा किनारे पशु चराने गया चरगाह किसी तरह गंगा में लापता हो गया। उसका शव दूसरे दिन गंगा नदी में उतराता पड़ा हुआ मिला है। पुलिस ने शव को गंगा नदी से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव बस्तोली बिरामपुर निवासी 40 सुशील पुत्र डूंगर सिंह शुक्रवार की दोपहर को पशुओं को चराने के लिए गंगा नदी के किनारे गया हुआ था। गंगा नदी में पशुओं को पानी पिलाते समय अचानक नदी में लापता हो गया। ग्रामीण गोताखोरों ने गंगा नदी में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई अता पता नहीं चला। शनिवार की सुबह चरगाह का शव नदी में तैर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को गंगा से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की खबर से मृतक की पत्नी फूल कुमारी, बेटी सपना, बेटा विकास और विशाल का रो रोकर बुरा हाल है।

छोटी खबरें

भैंस नहलाते समय गंगा में डूबा किसान, मौत

मोर्निंग सिटी

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र सुनगढ़ी के अंतर्गत गांव बस्तौली ब्रह्मपुर निवासी सुशील पुत्र धूमर सिंह उम्र 40 वर्ष गंगा में अपनी भैंस नहलाने गया था तभी किसान सुशील की गंगा में डूब गया और उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार सुशील को मिर्गी के दौरे आते थे जब वह भैंस नहलाने गया तो पानी को देखकर सुशील को मिर्गी का दौड़ा पड़ गया और वह गंगा में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई। वही पुलिस ने सुशील का शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। सुशील की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है

अज्ञात युवक का पड़ा मिला शव

मोर्निंग सिटी

कासगंज। थाना ढोलना के क्षेत्र के ग्राम जखेरा लिंक रोड पर स्थित देवेंद्र सिंह यादव के बंद पड़े ईट-भट्ठे के समीप झाड़ियों में एक अज्ञात युवक (उम्र लगभग 30 वर्ष) का शव पड़ा मिला। क्षेत्रीय लोगो ने इसकी जानकारी की पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची तथा शव को विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी। वही घटनास्थल की विधि विज्ञान प्रयोगशाला टीम एवं फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी कराई जा रही है। मृतक की पहचान कराने का प्रयास जारी है।

पुराने संबधों में खटास, विश्वासघात की पराकाष्ठा

मोर्निंग सिटी

कासगंज। लोग कहते है कि विष दो विश्वास घात मत करो ऐसा ही मामला जनपद कासगंज के ढोलना गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने विश्वासघात की पराकाष्ठा को भी पार कर दिया, 50 वर्ष पुराने संबधों को चंद रुपयों की खातिर तार-तार कर दिया। बाद में सीओ सिटी को प्रार्थना पत्र देकर मामला दर्ज करने की मांग भी करने लगा। जब मामला मीडिया की सुर्खिया बना तो दूसरा पक्ष भी सक्रिय हो गया और अब उसने भी सीओ सिटी को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की गुहार लगाई है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में क्या कार्यवाही अमल में लाती है। पूरा मामला इस प्रकार है कि अतीक खां पुत्र खलील अहमद का जमीनी विवाद ढोलना निवासी देशराज, नत्थू और रामस्वरूप से चल रहा था। रामरतन सिंह जंडेल ने अतीक से कहा मै तुम्हारा काम करा दूँगा मुझे इसी जमीन का कुछ अंश बेनामा कर दो, यदि काम नहीं होता है तो तुम बेनामा की हुई जमीन का पैसा ले लेना या फिर मैं वापिस बैनामा करा दूँगा।अतीख खां ने खाफी पुराने संबधों को निभाते हुए और विश्वास करते हुए राम रतन सिंह जंडेल के पुत्र विकास रतन सिंह जंडेल को बैनामा कर दिया। तय समय में जब अतीक का काम नहीं हुआ तो विकास रतन सिंह जंडेल से बैनामा वापिस करने या पूरे पैसा देने को बोला तो विकास रतन सिंह जंडेल ने अतीक के खिलाफ ही सीओ सिटी को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करने लगा।जब मामला मीडिया की सुर्खियां बना तो अतीक खांन ने भी उपरोक्त विकास रतन सिंह जंडेल के खिलाफ सीओ सिटी को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की गुहार लगाई है। अतीक खांन ने बताया कि उसी जमीन का बैनामा विकास रतन सिंह जंडेल ने 638000 लाख में किसी अन्य व्यक्ति को कर दिया, अतीक को यह लालच दिया कि आप बैनामा में गवाह बन जाओ मैं तुम्हें पैसा भी वापिस कर दूँगा। अतीक करे तो क्या करे उसने विकास की बात मानते हुए बैनामा में अपनी गवाही लगा दी, फिर भी अभी तक विकास रतन सिंह जंडेल ने अतीक खान को उसकी जमीन का एक भी रुपया वापिस नहीं किया है। अतीक का कहना है कि मेरे साथ विकास रतनसिंह जंडेल ने धोखा धड़ी की है शिकायती पत्र देकर कार्यवाही करने की मांग करता हूँ।अब दोनो पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगा कर पुलिस से रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में क्या कार्यवाही अमल में लाती है।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल के स्थानांतरण के विरोध में हुआ क्रमिक अनशन

मोर्निंग सिटी

कासगंज। पटियाली तहसील क्षेत्र के नवादा स्थित मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय को सहावर स्थानांतरित किए जाने के प्रयास के विरोध में शनिवार को पटियाली तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया। दो घंटे के एक दिवसीय क्रमिक अनशन में क्षेत्र के जन प्रतिनिधि, समाज सेवी, अधिवक्ता, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। गांव से विद्यालय हटाए जाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। बता दें कि पटियाली तहसील के ग्राम नवादा स्थित मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिल विद्यालय को सहावर स्थापित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी को लेकर शनिवार को तहसील परिसर में किसान यूनियन, जनप्रतिनिधि ने प्रदर्शन कर किया। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनशन हुआ। अनशन के बाद डीएम प्रणय सिंह को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में विद्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण पर तत्काल रोक लगाने, नवादा विद्यालय में शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। बताया है कि फरवरी 2024 में नवादा पटियाली में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय की स्थापना के लिए शासन से स्वीकृति प्राप्त हुई थी। 23 करोड़ से अधिक की परियोजना धनराशि में से 11.92 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। निर्माण कार्य प्रारंभ होने से पूर्व ही विद्यालय को सहावर स्थानांतरित करने का प्रयास प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन के दौरान सपा के पूर्व प्रवक्ता अब्दुल हफीज गांधी, सपा जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव, पटियाली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष केपी सिंह यादव, अनवर अली, ईसार मियां, अमर सिंह चैहान, रीना वर्मा, अनु यादव, हमराज परवीन, असद हुसैन, डा. मुस्तकीम अंसारी, हसमत अली फारुकी, हिकमत अली फारूकी, इरशाद अली, मोहम्मद शाहिद, अवनीश शाक्य, अनिल यादव, विमल कश्यप, सोनेलाल, प्रशांत यादव, मुनेंद्र शाक्य, रामेश्वर सिंह, शैतान सिंह, गंगा सिंह यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

खण्ड विकास अधिकारी ने सिढपुरा ब्लॉक का संभाला कार्यभार

मोर्निंग सिटी

कासगंज/सिढ़पुरा। जनपद कासगंज के विकास खण्ड सिढपुरा का कार्यभार कुलदीप कुमार कुशवाह ने कार्यालय आकर अपना चार्ज संभाला।कुलदीप कुमार के चार्ज लेने के बाद प्रधान और सचिवों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। खण्ड विकास अधिकारी ने सभी प्रधानों और सचिवों को मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया ।इस दौरान प्रधान सुनील बघेल, अशोक कुमार, नित्या नन्द शाक्य, गौरव शाक्य, बॉबी, एडीओ पंचायत संतोष कुमार सचिव हरिओम प्रतिहार, अशोक कुमार, अजीत यादव, लेखाकार साजिद अली, कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

संदिग्ध परिस्थितियों में मुखबधिर महिला की मौत

पुलिस ने जताई ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

मोर्निंग सिटी

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र में खाना बनाने के लिए जंगल में सूखी लकड़ी बीनने गई गूंगी बहरी महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला को शव अंडर पास के नीचे पड़ा मिला है। पति की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। ढोलना थाना क्षेत्र के गांव मारूपुर निवासी 40 वर्षीय चंद्रपाल की पत्नी सुनीता को कानों से सुनाई नहीं देता है। वह शुक्रवार की शाम चार बजे खाना बनाने के लिए जंगल में लकड़ी लेने के लिए गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी, शनिवार की सुबह उसका शव कासगंज मथुरा रेलवे मार्ग पर अंडर पास के निकट पड़ा मिला। परिजनों ने सूचना ढोलना थाना पुलिस को दी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर गोविंद वल्लभ शर्मा ने बताया प्रथम दृष्टया यह लगता है कि महिला की ट्रेन की चेपट में आकर मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। महिला के पति की तहरीर पर जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

पटियाली क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ा, तटवर्ती गांवों में बाढ़ से हालात बिगड़े

नगला दुर्जन व मुझखेड़ा का संपर्क टूटा, धान की फसलें डूबीं, लोग परेशान

मोर्निंग सिटी

कासगंज। गंगा नदी में लगातार बढ़ते जलस्तर से जनपद कासगंज के पटियाली तहसील अंतर्गत तटवर्ती गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नगला नरपत, दुर्जन नगला और मुझखेड़ा सहित कई गांवों में पानी भरने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। पिछले 24 घंटों में गंगा के जलस्तर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, हरिद्वार डी/एस पर 1 अगस्त को 97,764 क्यूसेक से घटकर 2 अगस्त को 87,519 क्यूसेक, बिजनौर डी/एस पर 59,989 से बढ़कर 73,844 क्यूसेक, नरौरा डी/एस पर स्थिर 80,447 क्यूसेक (177.72 मीटर) कछिला पुल गेजरू 162.24 मीटर से बढ़कर 162.38 मीटर, कासगंज में 16 मिमी व नरौरा में 19 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। वही नगला दुर्जन (आबादीरू लगभग 500) का मुख्य सड़क मार्ग जलमग्न हो गया है, जिससे तहसील मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। मुझखेड़ा का भी आवागमन बाधित हो गया है। धान की फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। आबादी वाले हिस्सों में पानी घुसने से लोगों को घरों में ही कैद रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, बाढ़ की मुख्य वजह इस क्षेत्र में कोई बांध या सुरक्षा तंत्र न होना है। समय रहते कोई प्रबंध न होने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है। वही बाढ़ से प्रभावित अन्य गांव नगला नरपत, मूंछ खेड़ा, नगला जंक्शन, नगला खाना, नगला हंसी भी शामिल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की मांग की है। नाव, ट्रैक्टर और आपात सेवाओं की तैनाती की आवश्यकता महसूस की जा रही है। चाहें तो इस खबर के आधार पर सोशल मीडिया पोस्ट, टेलीविजन स्क्रिप्ट या प्रशासन को भेजे जाने योग्य नोट भी तैयार किया जा सकता है।

तैय्यवपुर गांव में चार घरों में भीषण चोरी, लाखों के जेवरात और नकदी पार

डॉग स्क्वायड और एफएसएल टीम मौके पर, पुलिस जांच में जुटी

मोर्निंग सिटी

कासगंज। थाना सिढ़पुरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तैय्यवपुर में बीती रात अज्ञात चोरों ने चार घरों के ताले तोड़कर भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

पीड़ित जयप्रकाश पुत्र दोजीराम ने बताया कि वह अपने परिवार सहित खेत पर बने घेर में सो रहे थे। जब वह सुबह घर पहुंचे तो ताले टूटे मिले। भीतर जाकर देखा तो अलमारी के लॉक भी टूटे हुए थे और उसमें रखा लाखों का जेवरात गायब था। उनकी पत्नी गुड्डो देवी ने बताया कि चोर तीन सोने की जंजीर, दो जोड़ी पायल, दो जोड़ी कमरबंद, दो लेडीज अंगूठी, दो मदार्ना अंगूठी, एक जोड़ी झुमकी, दो जोड़ी कुंडल, एक टीका समेत कई कीमती सामान चोरी कर ले गए। इसी गांव के शिवअवतार उर्फ बबलू पुत्र एदल सिंह के घर में भी चोरी हुई। वह परिवार सहित दिल्ली गए हुए थे।

चोरों ने घर के ताले तोड़कर एक सोने का हार, एक जोड़ी झाले, चार सोने की चूड़ियां, पांच लेडीज अंगूठियां, दो जेंट्स अंगूठियां, एक जोड़ी झुमकी, सोने की एक जंजीर, मंगलसूत्र, ठप्पा, दो कंठही माला, चांदी की चार जोड़ी तोड़िया समेत अन्य जेवरात पार कर दिए। हरिश्चंद्र पुत्र करन और सुदामा देवी पत्नी स्व. चोखेलाल के घरों में भी चोरी की घटनाएं हुई हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष और भय का माहौल है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम के साथ एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। थाना सिढ़पुरा पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है, जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ग्रामीणों ने रात में गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने की मांग की है।

पीड़ित दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर, सिढ़पुरा पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही

मोर्निंग सिटी

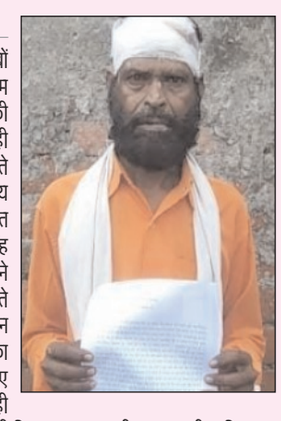

कासगंज। भले ही भाजपा सरकार गरीबों को न्याय दिलाने के लिए कोई भी कदम उठाये, लेकिन थाना सिढ़पुरा पुलिस की कार्यशैली प्रश्नचिन्ह लगते है। ऐसा ही मामला उस समय देखने में आया जब बीते दिनों एक युवक पुलिस अधीक्षक कार्यालय अपनी शिकायत लेकर पहुँचा। शिकायत कर्ता हरेन्द्रपाल सिंह पुत्र सौदान सिंह निवासी ग्राम दहेली खुर्द थाना सिढ़पुरा ने अपर पुलिस अधीक्षक को शियती पत्र देते हुए बताया कि वह 23 जुलाई को शमशान घाट से अपने ही गांव के महेश पेन्टर का अंतिम संस्कार करके भजन गुनगुनाते हुए अपने घर वापिस जा रहा था, जैसे ही नियाज मुहम्मद के घर के सामने पहुँचा तभी नियाज मुहम्मद, टीपू, अफरुद्दीन, निजाम, ख्यालीराम, एक रायमशिबरा होकर मुझे गालियां देने लगे और कहने लगे इधर होकर जाना है तो राम कृष्ण के गुण मत गा नही तो तेरी खैर नहीं है। जब शिकायत कर्ता ने गाली देने का विरोध किया तो सभी लोगों ने उसके साथ मार पीट की, जिससे उसके गम्भीर चोटें आई है। आनन-फानन में घायल को थाने ले गये थाने से मजरूम चिट्ठी देदी गई किसी कारण वस उस दिन पीड़ित का मेडीकल नहीं हो पाया। तो पीड़ित दूसरे दिन मजरूम चिट्ठी लेने के लिए गया तो उसे थाने भगा दिया। उसी दिन से पीड़ित मेडीकल कराने तथा उक्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है लेकिन थाना सिढ़पुरा पुलिस द्वारा अभी तक कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। जिससे छुब्द होकर पीड़ित ने अपर पुलिस अधीक्षक को शिकयती पत्र देकर उक्त लेगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। जब इस पूरे मामले में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती से बात की गई तो उन्होने कहा कि मेरे व्हाटसएप पर शिकायती पत्र की फोटो कॉपी भेज दो में दिखवाता हूँ। जब थाना प्रभारी पवन कुमार से बात की गई तो उन्होने बताया कि मामला झूठा है मैने सभी अधिकारियों को अवगत करा दिया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त करे आवेदन पत्र

मोर्निंग सिटी

कासगंज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्यस्थता केन्द्र में मध्यस्थगण के चयन की कार्यवाही प्रचलित है। मध्यस्थता केन्द्र में मध्यस्थ हेतु निम्न आवेदक अपना आवेदन दे सकते हैं। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार तृतीय) ने अवगत कराया है कि ऐसे अधिवक्ता, जिनके पास न्यायालय में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव हो। सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश। ऐसे वृत्तिक/विशेषज्ञ, जिनके पास अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव हो और जो विधि के क्षेत्र से सुपरिचित हो। आवेदकों को एक उपक्रम प्रस्तुत करना होगा कि वे भारत के उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति द्वारा यथा विहित मध्यस्थता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आवेदकगण, आवेदन पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 04-08-2025 समय सांय 05 :00 बजे तक है। अन्तिम तिथि के बाद आवेदन पत्र पर किसी भी स्थिति में विचार किया जाना सम्भव नहीं है। आहार्ता पूर्ण न करने पर आवेदक का आवेदन पत्र स्वतः ही निरस्त समझा जाये।

शिविर में दूसरे दिन सिखाई कपालभाति योग पद्धति

मोर्निंग सिटी

कासगंज। गंजडुंडवारा कस्बा के रेलवे रोड स्थित मन्दिर हनुमान गढ़ी परिसर में दूसरे दिन शनिवार को भी योग शिविर जारी रहा। तीन दिवसीय योग शिविर के दूसरे दिन पतंजलि योग समिति हरिद्वार से योग शिक्षक विपिन आर्य ने कपाल भाति योग पद्धति के बारे में जानकारी दी। कपालभाति को सही तरीके से करना सिखाया। साथ ही इस योगासन से ठीक होने वाली बीमारियों के बारे में भी जानकारी दी। विपिन आर्य ने अन्य योगासन भी कराए और उनके लाभ गिनाए। इस दौरान शिक्षक सत्यवीर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, श्याम किशोर गौर, कल्पना सिंह, रेखा चैहान, राधा अग्रवाल, प्रमोद वर्मा, अंजू गुप्ता, स्वेता अग्रवाल, साधना गुप्ता, सुनीता गौर, निर्मला विजय समेत अन्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने विद्यालय एवं जल जीवन मिशन कार्यों का किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने तहसील समाधान दिवस के उपरांत विकासखंड सासनी के संविलियन विद्यालय समामई रूहल का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय विद्यालय में 215 छात्र-छात्राएं उपस्थित पाए गए। मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था ठ्रङ्क द्वारा की जा रही है।हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने हेतु उन्होंने विद्यार्थियों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा। इस दौरान सहायक अध्यापक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने उन्हें पुस्तक भेंट की।इसके बाद जिलाधिकारी ने ग्राम नगला फतेला में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन, ट्यूबवेल, ओवरहेड टैंक निर्माण आदि कार्यों का निरीक्षण किया। अधिशासी अभियंता ने बताया कि 406 में से 349 जल संयोजन पूरे हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने और जलापूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए।अंत में उन्होंने मनरेगा के तहत कराए गए वृक्षारोपण का निरीक्षण कर पौधों की देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

किशोरी से छेड़छाड़, विरोध करने पर परिवार से मारपीट कर भागा आरोपी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस : सिकंदराराऊ : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नामजद ने घर में घुसकर एक किशोरी को बुरी नीयत से दबोच लिया। किशोरी द्वारा शोर गुल करने पर आरोपी मां ,बेटे एवं बेटी को मारपीट कर भाग गया। पीड़िता किशोरी की मां ने नामजद आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने को कोतवाली में तहरीर दी है। गांव निवासी पीड़िता किशोरी की मां ने दी तहरीर में उल्लेख किया है कि शुक्रवार की शाम को वह खेत पर कार्य कर रही थी । इस दौरान घर पर उसकी 15 वर्षीय पुत्री अकेली थी । तभी गांव का ही अनिल पुत्र लाल सिंह घर में घुस आया और पुत्री को बुरी नीयत से पकड़ लिया। पुत्री ने जब विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी । शोर गुल सुनकर जब पीड़िता किशोरी की मां एवं भाई पहुंचा तो आरोपी ने उनके ऊपर लाठी डंडों से प्रहार कर दिया। जिससे तीनों लहूलुहान हो गए। आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

रतनपुर के पास दो बाइकों की भिड़ंत, दो युवक घायल, एक अलीगढ़ रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस : सिकंदराराऊ : एनएच 34 के अलीगढ़ रोड स्थित गांव रतनपुर के निकट दो बाइकों की भिंड़त हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां से चिकित्सकों ने एक युवक की हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ रेफर कर दिया।
प्रशांत पुत्र मुकेश निवासी गांव नगला जलाल थाना सिकंदराराऊ बाइक पर सवार होकर अलीगढ़ की ओर से आ रहा था। जैसे ही वह गांव रतनपुर के समीप पहुंचा । तभी सामने से आ रही बाइक से भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार हरिशंकर पुत्र रज्जन लाल निवासी धनीपुर मंडी अलीगढ़ एवं प्रशांत गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगो की भीड़ एकत्रित हो गई। आनन फानन में घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद प्रशांत को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया

बृज देहरी पूजन कार्यक्रम की तैयारियाँ शुरू, 3 अगस्त को बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। आगरा रोड स्थित श्री राधाकृष्ण कृपा भवन में 3 अगस्त (आज) को शाम 4 बजे बृज देहरी पूजन कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए साहित्यिक संस्थाओं की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। आशुकवि अनिल बौहरे ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि यह पूजन कार्यक्रम 24 अगस्त को सुबह 7 बजे आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से बैठक में भाग लेने की अपील की है।

3 अगस्त को झांसी में जीत का डॉ विष्णु सक्सेना को दिया जाएगा राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर तीन अगस्त को झाँसी में बुंदेलखंड विश्व विद्यालय एवं हिंदुस्तान एकेडमी प्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले चार दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में 3 अगस्त को राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त सम्मान के लिए सिकंदराराऊ के गौरव यशभारती अंतर्राष्ट्रीय गीतकार डा.विष्णु सक्सेना को दिया जाएगा । यह सूचना उनके लिए और हाथरस जनपद के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का क्षण है। इस सूचना पर नगर के तमाम साहित्यकार कवि शायरों तथा गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता जाहिर की है। देवेन्द्र दीक्षित शूल, शिवम् आजाद, अवशेष विमल , भद्रपाल सिंह, प्रमोद विषधर, विपिन वार्ष्णेय , डा.अरविंद सारस्वत आदि सभी ने डा. सक्सेना को बधाई दी है।

थाना समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र न लेने का आरोप, तहसील दिवस में शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली चंदपा के प्रभारी पर समाधान दिवस के दौरान प्रार्थना पत्र न लेने का गंभीर आरोप लगाया गया है। इस संबंध में ग्राम पेकवारा के निवासी अमरबाबू अग्निहोत्री ने तहसील दिवस में एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर न्याय की मांग की है।आवेदन में बताया गया कि 26 जुलाई को अमरबाबू अपने गांव में चल रहे विवाद के संबंध में थाना समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देने पहुंचे थे। आरोप है कि प्रभारी महोदय ने उनका प्रार्थना पत्र लेने से यह कहते हुए मना कर दिया कि आप कोई भी निर्माण कार्य माता मंदिर के परिसर पर नहीं करोगे। साथ ही, कथित रूप से उनसे अपशब्द कहे और डांट-फटकार कर भगा दिया।शिकायतकर्ता का कहना है कि यह प्रकरण राजस्व लेखपाल की रिपोर्ट के अनुरूप ग्राम समाज की भूमि से संबंधित है, जिस पर निर्माण कार्य की अनुमति के लिए वह आवेदन लेकर पहुंचे थे। परंतु थाना प्रभारी द्वारा आवेदन स्वीकार न करने से उनको न्याय मिलने में बाधा उत्पन्न हो रही है।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन की इस कार्यप्रणाली से उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चाधिकारियों द्वारा जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए।

गहरे गटर में गिरी गौमाता को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शनिवार को मुरसान गेट स्थित बराई मंदिर के प्रांगण में बने गहरे गटर की होदी में एक गौवंश गिर पड़ा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही दिलीप गुलाटी ने भाजपा गौवंश प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं गौ रक्षा हिन्दू दल के जिलाध्यक्ष शिव शंकर गुलाटी को जानकारी दी। सूचना मिलते ही शिव शंकर गुलाटी तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने फायर ब्रिगेड के अधिकारियों से संपर्क कर सहायता के लिए बुलाया। मौके पर मौजूद सभी गौभक्तों ने एकजुट होकर रेस्क्यू अभियान चलाया। फायर ब्रिगेड के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद गौमाता को गहरे गटर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।स्थानीय लोगों और गौसेवकों ने राहत की सांस ली और रेस्क्यू दल की सराहना की।

"ऑपरेशन टूरिस्ट डिलाइट" बना आगरा पुलिस की पहचान, ताजमहल पर पर्यटकों की सुरक्षा और सहयोग में नया आयाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पर्यटक अनुकूल और प्रभावी बनाने के लिए ताज सुरक्षा पुलिस द्वारा चलाया जा रहा "ऑपरेशन टूरिस्ट डिलाइट" अब देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त ताज सुरक्षा सैयद अरीब अहमद के निर्देशन में चल रहे इस विशेष अभियान के तहत पुलिस की फ्रेंडली वर्किंग शैली को लेकर पर्यटक बेहद संतुष्ट और प्रसन्न नजर आ रहे हैं।

एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण ने पकड़ी रफ्तार, 75 ट्रैफिक मार्शल तैनात; जनवरी तक हट जाएंगे सभी बैरिकेड्स

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। व्यस्ततम मार्गों में शामिल एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनता को हो रही असुविधा को देखते हुए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (वढटफ्ढ) ने निर्माण प्रक्रिया को तेज करने के साथ-साथ यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए हैं।बआगरा मेट्रो साइट टीम ने तय किया है कि वर्ष के अंत तक संजय प्लेस से लेकर अन्य हिस्सों तक सिविल कार्य पूरे कर बैरिकेड्स हटा दिए जाएंगे। निर्माण के दौरान यातायात को बाधित होने से बचाने के लिए पूरे एमजी रोड पर 75 ट्रैफिक मार्शल तैनात किए गए हैं। ये मार्शल चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहकर ट्रैफिक को नियंत्रित करेंगे ताकि लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

एमजी रोड पर लगभग 370 पिलर बनने हैं, जिनमें से अधिकांश पर काम चल रहा है। कुल 19 रिंग मशीनें सिविल कार्य को गति देने में लगी हैं। जहां भी कार्य पूरा हो रहा है, वहां बैरिकेड्स हटाए जा रहे हैं। जनवरी तक पूरे एमजी रोड से बैरिकेड हटाने का दावा किया गया है। मेट्रो निर्माण के चलते बनी बाधाओं के बीच लोगों को राहत देने के लिए फुटपाथ पर कंक्रीट रैंप भी बनाए जा रहे हैं ताकि दोपहिया वाहनों को किनारों से चलने की सुविधा मिल सके। इसके साथ ही, सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत का कार्य भी नियमित रूप से किया जा रहा है।

यूपीएमआरसी ने दावा किया है कि दुनिया की तुलना में भारत में मेट्रो प्रोजेक्ट को कहीं अधिक तेजी से पूरा किया जा रहा है। आगरा मेट्रो का भूमिगत प्राथमिक खंड 6 महीने पहले चालू किया गया और सुरंग निर्माण मात्र 11 महीने में पूरा हुआ था। एमजी रोड पर मेट्रो शुरू होने के बाद आवागमन का समय घटकर 10 से 15 मिनट रह जाएगा और इस व्यस्त मार्ग पर आवाजाही कहीं अधिक सहज और तेज हो सकेगी। वढटफ्ढ ने आश्वस्त किया है कि जनसुविधा को प्राथमिकता देते हुए मेट्रो प्रणाली को तय समय से पहले पूरा किया जाएगा, जिससे आगरा शहर के यातायात पर भारी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की तैयारी शुरू, 2 से 15 अगस्त तक तीन चरणों में होंगे आयोजन

मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल ने वर्चुअल बैठक में दिए निर्देश, जनपद स्तर पर मेले, रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल द्वारा हर घर तिरंगा अभियान-2025ह्वको जनांदोलन का रूप देने के लिए शुक्रवार को एनआईसी के माध्यम से वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 2 अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में तीन चरणों में यह अभियान संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यालयों से लेकर बाजारों और सरकारी प्रतिष्ठानों तक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित होंगे।

पहला चरण - 2 से 8 अगस्त तक

इस चरण में विद्यालयों की दीवारों को तिरंगा थीम पर आधारित कलाकृतियों से सजाया जाएगा। रंगोली, पेंटिंग प्रतियोगिताएं, तिरंगा

प्रदर्शनी तथा सैनिकों को राखी और पत्र भेजने जैसे आयोजन होंगे। सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में तिरंगे धागों से सजावट की जाएगी।

दूसरा चरण - 9 से 12 अगस्त तक

इस चरण को तिरंगा महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

इसमें तिरंगा मेला, भव्य तिरंगा संगीत कॉन्सर्ट और सेल्फी विथ तिरंगा जैसी गतिविधियां प्रमुख रहेंगी। स्वयं सहायता समूहों और एमएसएमई विभाग द्वारा निर्मित ओडीओपी और अन्य स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित होगी। मेले में खाने-पीने की वस्तुएं, परिधान और श्रृंगार सामग्री आदि भी तिरंगा थीम में उपलब्ध रहेंगी।

तीसरा चरण - 13 से 15 अगस्त तक

इस अंतिम चरण में सरकारी भवनों, विद्यालयों, होटल, पुल, बांध, कार्यालयों आदि पर ध्वजारोहण होगा। नागरिकों को प्रोत्साहित किया जाएगा कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर पर अपलोड करें।

साथ ही ध्वज संहिता का पालन सुनिश्चित कराने पर विशेष बल दिया जाएगा। मुख्य सचिव ने यह भी स्पष्ट किया कि तिरंगा फहराते समय झंडे की केसरिया पट्टी सदैव ऊपर होनी चाहिए। सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त से पहले झंडा फहराया जाए और उसे सम्मानपूर्वक उतारा जाए। फटा, आधा झुका या अनुचित तरीके से लगाया गया झंडा पूरी तरह वर्जित होगा। इस अभियान में एनसीसी, एनएसएस, होमगार्ड, सिविल डिफेंस, पुलिस, अर्धसैनिक बलों एवं खेल विभाग की भी सहभागिता रहेगी। तिरंगा बाइक और साइकिल रैलियां शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों एवं युवाओं की भागीदारी से निकलेंगी। जिला प्रशासन ने इस व्यापक कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर घर तक तिरंगे को सम्मानपूर्वक पहुंचाने के लिए यह अभियान जन सहभागिता के साथ आगे बढ़ेगा।

घिरोर में युवक के साथ मारपीट, ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर की कार्रवाई की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

घिरोर (मैनपुरी)। थाना घिरोर क्षेत्र के ग्राम नाहिली में एक युवक के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित युवक शनिवार सुबह गैस सिलेंडर लेने जा रहा था, तभी रास्ते में कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के विरोध में एक दर्जन से अधिक ग्रामीण तहसील पहुंचे और एसडीएम से मिलकर कार्रवाई की मांग की।

नाहिली निवासी विकास ने बताया कि वह सुबह गैस एजेंसी से सिलेंडर लेने जा रहा था, तभी गांव के ही कुछ युवकों से रास्ते में उसकी कहासुनी हो गई। इसी दौरान उस पर हमला कर दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार वह किसी तरह वहां से बचकर निकला और अपने परिजनों को सूचना दी। वहीं, ग्रामीण इंद्रजीत ने भी तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि इन ही व्यक्तियों द्वारा शुक्रवार को भी उसे रास्ते में घेरकर मारपीट की गई थी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों में इंद्रजीत, वीरेश, संतोष, अभिषेक, मुकेश, जोर सिंह समेत अन्य लोगों ने तहसील में प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण में प्राप्त तहरीर के आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शिव पुराण कथा पंडाल में महिलाओं की गले से सोने के आभूषण चोर गैंग सक्रिय

कथा के दौरान तीन महिलाओं के गले से कीमती सोने की चेन ले जाने में सफल हुआ गैंग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद आगरा कस्बा के कान्हा वन गार्डन में पिछले 28 अप्रैल से चल रही श्री शिव महापुराण कथा में दिन प्रतिदिन कथा पंडाल में कथा सुनने आने वाली महिलाओं की भीड़ बढ़ती जा रही है कथा पंडाल में महिलाओं की बढ़नी भीड़ के साथ कथा सुनने आने वाली महिलाओं के गले से कीमती सोने के आभूषण उड़ने वाली महिला का गैंग सक्रिय हो गया है कलश यात्रा के दौरान भी एक महिला के गले से सोने की चेन गैंग उड़ा कर ले गया था वहीं शुक्रवार को मोहल्ला चौराहा निवासी श्रीमती रूबी पत्नी मनोज गुप्ता कथा पंडाल में कथा सुनने गई थी इसी दौरान रुबी गुप्ता के गले से 12 ग्राम बजनी सोने की चेन चोर गैंग उड़ा कर ले गया सोने की चेन में पड़ा 5

ग्राम का पेंडल जमीन पर गिरने पर रुबी गुप्ता को गले में पड़ी सोने की चेन चोरी होने की जानकारी हुई जब तक महिलाओं द्वारा चैन चोर गैंग की खोजबीन की जब तक चैन चोर गैंग के सदस्य कथा पंडाल से भागने में सफल हो गए बताया जाता है कि यह गैंग इस प्रकार की घटना को कथा समाप्त होने पर प्रसाद वितरण के दौरान अंजाम देता है शिव पुराण कथा पंडाल में तीन बार इस प्रकार की घटना से कथा सुनने आने वाली महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही हैं वहीं शिव पुराण कथा आयोजको का कहना है कि कथा पंडाल में चेन चोरी की घटना को देखते हुए हमारे द्वारा थाना फतेहाबाद में कथा पंडाल में महिला पुलिस लगाकर सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई थी लेकिन पुलिस द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया कथा आयोजको द्वारा कथा पंडाल में कथा सुनने आने वाली महिलाओं से अपील कि है कि कथा पंडाल में बढ़ती भीड़ और महिलाओं के गले से सोने की चेन की चोरी की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए कथक पंडाल में कीमती सोने के आभूषण पहनकर ना आए

सीएम योगी करेंगे 36 साल बाद आगरा की सबसे बड़ी आवासीय योजना 'अटलपुरम टाउनशिप' का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। 36 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद एक बड़ी आवासीय योजना की शुरूआत होने जा रही है। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा विकसित की जा रही बहुप्रतीक्षित अटलपुरम टाउनशिप का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 अगस्त को करेंगे। 8 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन से योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्वालियर रोड स्थित ककुआ-भांडई क्षेत्र में 138 हेक्टेयर जमीन पर तीन चरणों में विकसित हो रही अटलपुरम टाउनशिप को 2242 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। इस परियोजना में 76 हेक्टेयर भूमि पर आवासीय भूखंड और शेष 67 हेक्टेयर क्षेत्र में हरियाली और सार्वजनिक उपयोग की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। योजना के प्रथम चरण में 45 हेक्टेयर क्षेत्र के तीन सेक्टरों में कुल 322 आवासीय भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

एडीए के उपाध्यक्ष एम. अरुनमौली के अनुसार, योजना के तहत ई.डब्ल्यू.एस., एल.आई.जी., एम.एम.आई.जी. एम.आई.जी. और एच.आई.जी. श्रेणियों के भूखंडों की रजिस्ट्री खोली जाएगी, जिनका आकार 33 वर्गमीटर से लेकर 300 वर्गमीटर तक होगा। भूखंडों का रेट 29,500 रुपये प्रति वर्गमीटर तय किया गया है, जबकि ग्रुप हाउसिंग के लिए 44,000 और कमर्शियल भूखंडों के लिए लगभग दोगुना रेट प्रस्तावित किया गया है। पंजीकरण के लिए 1100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि सामान्य वर्ग को भूखंड की कुल कीमत का 10 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत राशि अग्रिम देनी होगी। आवेदन एडीए की वेबसाइट पर ऑनलाइन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर एडीए और अन्य विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 11:30 बजे आगरा पहुंचेंगे और दोपहर 2:30 बजे तक शहर में रहेंगे। इस दौरान वे मंडलायुक्त सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे और अटलपुरम योजना का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। हालांकि आगरा में हो रही लगातार बारिश ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। एयरपोर्ट से लेकर मंडलायुक्त कार्यालय तक जलभराव की स्थिति गंभीर है। हाल की बारिश में इस रूट पर नाव चलने की नौबत तक आ गई थी। नगर निगम जलभराव से निपटने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी में जुटा है ताकि मुख्यमंत्री के काफिले की आवाजाही में कोई व्यवधान न हो।

एसपी ने तीन थाना प्रभारियों का किया तबादला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस: पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तीन थाना प्रभारियों का तबादला किया है। अवधेश कुमार को हसायन से सासनी का नया कोतवाली नियुक्त किया गया है। शिव कुमार शर्मा को सासनी से सहपऊ का कोतवाली निरीक्षक बनाया गया है। वहीं, ललित कुमार शर्मा को सहपऊ से हसायन का थाना अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, रामनरेश को हाथरस जंक्शन की मेंडू पुलिस चौकी के प्रभारी से पुलिस अधीक्षक का जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) बनाया गया है।

लेखपाल की सड़क हादसे में मृत्यु

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस: सड़क हादसे में लेखपाल प्रियांशु चौधरी की मृत्यु हो गई। प्रियांशु कानपुर देहात में तैनात थे और छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे। घटना देर रात की है जब प्रियांशु बाइक से आगरा जा रहे थे। तभी सनसिटी कॉलोनी से थोड़ा आगे चंदपा कोतवाली क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने प्रियांशु की बाइक को टक्कर मारते हुए भाग गया ह्व दुर्घटना के फल स्वरुप प्रियांशु की मौके पर ही पर ही मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ह्व प्रांशु की मृत्यु की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया वह सभी पोस्टमार्टम गृह पहुंच गए

क्या कस्बा फतेहाबाद में लगने वाले ऐतिहासिक कंस मेले की परंपरा इस साल टूटने जा रही है

फतेहाबाद का सदियों पुराना मेला बना राजनीतिक का अखाड़ा नहीं हुआ मेला दधिलीला कमेटी का गठन

राजनीतिक दबाव के चलते बिहारी जी महाराज मंदिर का विद्युत कनेक्शन भी काटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद आगरा कस्बा फतेहाबाद में अंग्रेजों के जमाने से लगता चला आ रहा कस्बा का ऐतिहासिक कंस मेला का संचालन दो कमेटियों द्वारा किया जाता है जिसमें कंस मेला कमेटी और मेला दधिलीला कमेटी का अलग-अलग गठन किया जाता है जिसमें कंस मेला कमेटी कंस महाराज की शोभायात्रा निकालने का काम करती है जबकि मेला दधिलीला कमेटी द्वारा कस्बे में स्थित सदियों पुराने बिहारी जी महाराज मंदिर की सजावट और जन्माष्टमी महोत्सव मनाने के साथ-साथ कंस मेले में बिहारी जी महाराज की विशाल शोभायात्रा भी बिहारी जी महाराज मंदिर में तैनात पुजारी और कमेटी द्वारा निकल जाती है कंस शोभा यात्रा के दौरान बिहारी जी महाराज द्वारा कंस वध की सदियों पुरानी परंपरा भी है कंस मेला लगने में मात्र 15 दिन शेष रह गए हैं लेकिन अभी तक मेला दधिलीला कमेटी के नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका है जबकि कंस कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव हो गया है अगर देखा जाए तो मेला दधिलीला कमेटी के नए अध्यक्ष के चुनाव को लेकर मेला संरक्षक चौधरी जयपाल सिंह यादव और संरक्षक रमाकांत सर्राफ की अध्यक्षता में 15 दिन पूर्व बिहारी जी मंदिर पर बैठक बुलाई गई थी जिसमें चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होने के कुछ देर बाद भाजपा कार्यकताओं द्वारा मंदिर में घुसकर मंदिर के पुजारी को हटाने की मांग को लेकर काफी हंगामा किया गया था मंदिर पर हंगामा की सूचना पाकर बड़ी संख्या में थाने से मौके पर पुलिस फोर्स भी पहुंच गया था मंदिर के पुजारी को हटाने की मांग को लेकर हंगामा कर रहे भाजपा कार्यकताओं को मंदिर से बाहर निकाल कर माहौल को शांत कराया गया था हंगामा के चलते उस दिन मेला दधिलीला कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका यही नहीं भाजपा कार्यकताओं द्वारा हंगामा के दूसरे दिन विद्युत अधिकारियों पर दबाव बनाकर मंदिर के विद्युत कनेक्शन भी कटवा दिया गया जिस मंदिर कमेटी में भय व्याप्त बना हुआ है और इसी का परिणाम है कि मेला दधिलीला कमेटी अध्यक्ष का चुनाव आज तक नहीं हो सका मेला दधिलीला कमेटी अध्यक्ष का चुनाव ना न होने से कस्बा की जनता में यह चर्चा तेजी से चल रही है कि भाजपा कार्यकताओं के हंगामा के भय के चलते क्या इस बार मेला दधिलीला कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव नहीं होगा क्या इस बार मेले में बिहारी जी महाराज की शोभायात्रा नहीं निकलेगी क्या इस वर्ष फतेहाबाद में लगने वाले सदियों पुराने ऐतिहासिक कांच मेले की परंपरा टूटने जा रही है क्योंकि मेला कमेटी द्वारा भी अध्यक्ष के चुनाव के लिए कोई बैठक दोबारा नहीं बुलाई है अगर देखा जाए तो बिहारी जी महाराज मंदिर में तैनात पुजारी का एक विवादित वीडियो तीन माह पहले वायरल हुआ था इसी बात को लेकर भाजपा कार्यकताओं द्वारा मंदिर के पुजारी को मंदिर से निकलने को लेकर विरोध करते चले आ रहे हैं लेकिन 3 महीने से अधिक समय गुजारने के बाद भी भाजपा कार्यकर्ता मंदिर के पुजारी को मंदिर से नहीं निकाल पाए हैं ऐसी हालत में किया मंदिर के पुजारी मेले में बिहारी जी महाराज का डोला निकल पाएंगे ऐसे हालातो में बिहारी जी महाराज मंदिर पर होने वाला जन्माष्टमी महोत्सव भी होता नजर नहीं आ रहा है

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।

शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।

डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

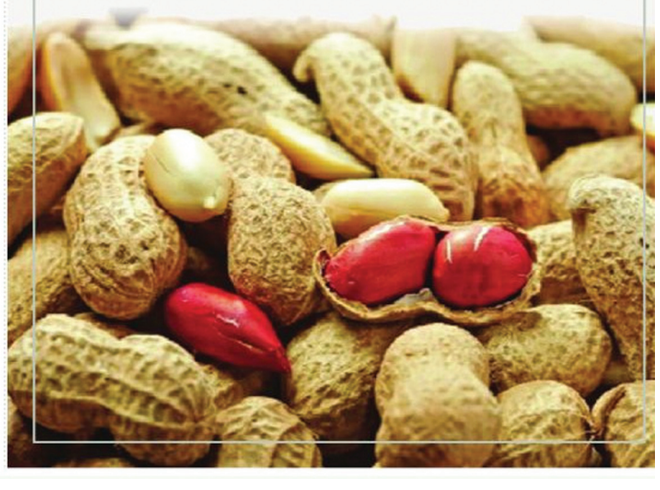

जैस्मिन संग शादी के सवाल पर अली गोनी का रिएक्शन

अली गोनी और जैस्मिन भसीन फैंस की चहेती जोड़ियों में शामिल हैं। कपल काफी वक्त से रिलेशनशिप में हैं। इनके फैंस चाहते हैं कि दोनों जल्द शादी कर लें। मगर, हाल ही में जब अली गोनी से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी उनका कोई प्लान नहीं है। आगे कहा कि उन्होंने सबकुछ ऊपर वाले की मर्जी पर छोड़ रखा है।

बिग बॉस 14 के बाद शुरू की डेटिंग

अली गोनी से हाल ही में एक इंटरव्यू में जैस्मिन के साथ शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो एक्टर ने कहा, अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, भगवान की मर्जी, जब वो चाहेंगे तब होगा। बता दें कि अली और जैस्मिन ने बिग बॉस सीजन 14 में आने के बाद डेटिंग शुरू की। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें खूब वायरल होती हैं। बोले- जब भगवान चाहेंगे तब होगी शादी शादी की प्लानिंग के सवाल पर अली गोनी ने जूम से बात करते हुए मजाक में कहा, शादी का इंटरव्यू मैं आपको नए घर में दूंगा। एक्टर से जब शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है। जब अली से पूछा गया कि क्या वह शादी में देरी कर रहे हैं या जैस्मीन? तो अली ने कहा, कोई भी नहीं, भगवान देरी कर रहा है। किसकी दुआएं हैं (हंसते हुए)। भगवान की मर्जी, जब वो चाहेंगे तब होगा।

लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रहे अली

एक्टर ने आगे कहा हम बिल्कुल अल्लाह पे रखते हैं हर चीज। कोई प्लान नहीं है। कुछ नहीं सोचा है। मैं हर चीज में बोलता हूं इंशाअल्लाह। बता दें कि फिलहाल अली गोनी, कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शेफ सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। यह शो इसी वीकएंड खत्म होने वाला है। हर कोई यह देखने के लिए उत्साहित है कि विनर कौन होगा? जैस्मीन भसीन पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काफी शानदार काम कर रही हैं।

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं। श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ। श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं। बंदरफुल प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें। इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला। मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में। प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

मुझे एक्टिंग के लिए हॉलीवुड आइकन्स ने प्रेरित किया

अभिनेता और फिल्म निर्माता रणदीप हुड्डा ने बताया कि हॉलीवुड एक्टर्स से वह प्रेरित हैं। अभिनेता ने बताया कि अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, सिल्वेस्टर स्टैलोन, टॉम क्रूज और क्लिंट ईस्टवुड ने उन्हें एक्टिंग के लिए प्रेरित किया। बातचीत में रणदीप ने बताया, मैं छोटे से शहर रोहतक से हूं और हॉलीवुड एक्टर्स का फैन हूं, मेरे कमरे में अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, सिल्वेस्टर स्टेलोन, टॉम क्रूज और क्लिंट ईस्टवुड के पोस्टर तक लगे थे। इन सितारों ने मुझे सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे स्टेज पर एक्टिंग की शुरुआत करने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि एक्टिंग केवल पोस्टर या फिल्मों तक सीमित नहीं है।

रणदीप ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग तरह के अभिनय, फिल्मों और काम को समझने के लिए किताबें पढ़ना शुरू किया। उन्होंने बताया, मैंने धीरे-धीरे खुद को कई तरह की कला और सिनेमा से जोड़ा। मैं अभी भी इसे पूरी तरह समझने और खोजने और सीखने की कोशिश कर रहा हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा जल्द ही अमेरिकी एक्शन-एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में दिखेंगे, जिसका निर्देशन सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। यह फिल्म मशहूर टॉय ब्रांड 'मैचबॉक्स' पर आधारित है, जिसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टियोना पैरिस, दानाई गुरिरा और कोरी स्टॉल जैसे एक्टर्स भी हैं। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, रणदीप का एक और बड़ा प्रोजेक्ट ऑपरेशन खुकरी भी है। यह फिल्म मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियन आर्मी ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड पर आधारित है।

बॉर्डर 2 में आएंगी नजर मेधा राणा

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और वरुण धवन की आगामी फिल्म बॉर्डर 2 के एक-एक अपडेट का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक अहम जानकारी साझा करते हुए फिल्म की हीरोइन का एलान किया है, जिनका नाम है मेधा राणा। अब वरुण धवन के अपोजिट आप इस एक्ट्रेस को फिल्म में देख पाएंगे। बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 पर काम तेजी से चल रहा है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़े कई फोटोज और वीडियोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब एक बार फिर से फिल्म को लेकर चर्चा काफी तेज हो गई है, क्योंकि निर्माताओं ने एक नई कास्टिंग कर सभी को चौंका दिया है। प्रोडक्शन टीम ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बताया कि बॉर्डर 2 में मेधा राणा बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी, जो वरुण धवन के अपोजिट किरदार में दिखेंगी। इसके अलावा मेकर्स ने कहा कि उन्हें यह खबर देते हुए खुशी हो रही है कि उनके बॉर्डर 2 परिवार में एक नई सदस्य आ गई हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

10 साल छोटी एक्ट्रेस सीरत कपूर को डेट कर रहे हैं हनी सिंह?

बॉलीवुड के चर्चित रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर अपने रिलेशनशिप को लेकर उड़ रहीं अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं। हनी सिंह का नाम अब अभिनेत्री सीरत कपूर के साथ जोड़ा जा रहा है। उनके लिंकअप के इन रूमर्स की शुरुआत उन्हीं के एक कमेंट के चलते हुई। दरअसल रैपर ने एक्ट्रेस की एक ग्लैमरस तस्वीर पर कमेंट कर दिया। ये कमेंट इतनी तेजी से वायरल हुआ कि फैंस ने दोनों के बीच चल रही नजदीकियों को लेकर अटकलें लगना शुरू कर दिया है।

हनी सिंह संग जुड़ा सीरत कपूर का नाम

जब 'रन राजा रन' फेम एक्ट्रेस सीरत कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिल्वर सीक्विन ड्रेस में कुछ तस्वीरें साझा कीं। ग्लैमरस और बोल्ड लुक में सीरत बेहद स्टाइलिश नजर आ रही थीं। इसके कुछ देर बार हनी सिंह ने तस्वीरों पर कमेंट करते हुए कमेंट किया। हनी पाजी का ये कमेंट देखकर उनके फैंस भी हैरान रह गए। हालांकि जब अभिनेत्री ने रैपर का कमेंट देखा तो उनका रिएक्शन भी देखने लायक रहा।

सीरत के जवाब ने बटोरीं सुर्खियां

सीरत ने हनी सिंह के कमेंट का जवाब देते हुए लिखा- व्हाट ए प्लेजेंट सरप्राइज, थैंक्यू ओजी। सोशल मीडिया पर दोनों के इस एक्चेंज ऑफ वर्ड्स के बाद इस खबर को फैलते हुए ज्यादा देर नहीं लगी कि कहीं दोनों के बीच कुछ चल तो नहीं रहा। हालांकि दोनों की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ना ही इस बारे में कुछ भी कन्फर्म ढंग से कहा जा सकता है।

टीना ठडानी संग रिश्ते में थे हनी

गौर करने वाली बात यह है कि हनी सिंह ने पिछले साल जनवरी में मॉडल और एक्ट्रेस टीना थडानी को अपने पार्टनर के तौर पर सार्वजनिक रूप से पेश किया था। लेकिन अप्रैल 2023 में दोनों ने अचानक एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर लिया और साथ की सारी तस्वीरें भी डिलीट कर दी थीं। अब इस हालिया कमेंट के बाद चर्चा है कि क्या हनी सिंह की जिंदगी में कोई नया चैप्टर शुरू हो चुका है? बहरहाल फिलहाल हनी सिंह अपनी निजी जिंदगी में सिंगल है। पत्नी से तलाक के बाद अब तक उन्होंने दोबारा शादी नहीं की है। अब देखना होगा कि सीरत संग उनके डेटिंग के रूमर्स महज अफवाह ही निकलती है या फिर वाकई में उन खबरों में दम है।

मैं बलिया से बॉलीवुड आया तो मुझे इंग्लिश नहीं आती थी

बिहार के बलिया जैसी छोटी सी जगह से बॉलिवुड तक का सफर एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी के लिए आसान नहीं रहा। एक समय सीए की पढ़ाई करने वाले सिद्धांत को एक्टिंग की धुन ऐसी लगी कि वे एक्टर बन कर ही माने। गली बॉय, गहराइयां, खो गए तुम कहां जैसी कई फिल्मों से चर्चित रहे सिद्धांत इन दिनों अपनी फिल्म धड़क 2 से चर्चा में हैं। इस मुलाकात में वो अपने स्ट्रगल, माता-पिता, प्यार-मोहब्बत की नाकामी और खुद के साथ हुए भेदभाव पर खुलकर बात करते हैं।

आप बिहार के बलिया जैसी छोटी-सी जगह से हैं, तो आपके लिए बलिया से लेकर बॉलीवुड तक का सफर कैसा रहा?

सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा- मैं समझता हूं कि मुझसे ज्यादा संघर्ष मेरे माता-पिता ने किया है। जिन परिस्थितियों में उन्होंने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया और जिस तरह से बेस्ट एजुकेशन दी, वो आसान नहीं था। जब मैंने कहा, मुझे बैंकर बनना है, तो उन्होंने उसे सपोर्ट किया। फिर जब मैं मुंबई आया, तो अपनी पूरी जिंदगी को छोड़कर मेरे अभिनय के सपने को पूरा करने यहां आए, तो उन्होंने मेरे लिए सबकुछ किया है। देखिए, सबसे मुश्किल होता है सदियों की कंडीशनिंग को तोड़ना। जाहिर सी बात है, हम ऐसे समाज से आते हैं, जहां लड़के को पढ़ाओ और सेटल करवाओ, का मामला होता है। मगर जब वह लड़का किसी और राह (फिल्म) चल निकलता है, तो रिश्तेदारों, पड़ोसियों से कट जाना कि कहीं कोई ये न पूछ ले कि तुम्हारा लड़का क्या कर रहा है? हमारा लड़का तो एमबीए कर रहा है, आईआईटी पास आउट हो चुका है। मगर वे किसी को क्या कहते कि वो तो बस्ता उठा कर ऑडिशन दे रहा है। फिट, नॉट फिट में उलझा हुआ है। मगर आज मैं बलिया से बॉलिवुड तक पहुंच पाया हूं, तो इसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है कि उन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया।

आपकी फिल्म न केवल प्यार-मोहब्बत के जुनून को लेकर है बल्कि जातीय भेदभाव के मुद्दे पर भी वार करती है। आपने असल जिंदगी में डिस्क्रिमिनेशन कब महसूस किया?

भेद-भाव कई चीजों को लेकर होता है। चाहे वो कास्ट, जेंडर, वेट हो, रंग हो, कपड़े हों, बोलचाल हो, हर कोई रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ा-बहुत डिस्क्रिमिनेशन तो सहता ही है। आप अगर मेरा निजी अनुभव पूछें, तो जब मैं बलिया से यहां आया था, तो मुझे इंग्लिश नहीं आती थी। हिंदी भी उतनी अच्छी नहीं थी। मैं भोजपुरी में बात करता था। कोई भी जब मुझसे बात करता, तो मैं बोल नहीं पाता था और बहुत डर जाता था। मुझे लगता, मैं गूंगा हूं, मुझे तो इंग्लिश नहीं आती और जो भाषा मेरी है, उस पर तो सभी हंस देंगे। आखिरकार लड़कियों से प्यार करने के चक्कर में मैंने इंग्लिश तो सीख ली। खैर मैं भाषा को लेकर होने वाले भेदभाव की बात बता रहा हूं। आप किसी मॉल या रेस्टॉरेंट में जाएं और वहां किसी चीज का दाम हिंदी में पूछें, तो आपको एक हेय लुक मिलता है। मगर उसी चीज को अंग्रेजी में पूछ लें, तो आपका रुतबा बढ़ जाता है। अपनी जनरेशन में मुझे भाषा को लेकर इन्फीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स काफी देखने को मिल रहा है। चाहे वो हमारी इंडस्ट्री में ही क्यों न हो। हमारे यहां कोई भी हिंदी में बात करता ही नहीं। हम बना हिंदी फिल्म रहे हैं और सब चीजें इंग्लिश में होती हैं।

आप कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में पड़े हैं?

हां, हुआ है मेरे साथ। बहुत सारी मुश्किलात हुई हैं। सिद्धांत ने कहा- मैं प्यार के लिए घर से भागा भी हूं। सच कहूं तो मेरी पर्सनल लाइफ की लव स्टोरी का विलेन मेरी बेरोजगारी बन गई थी। मैं उस वक्त उस लायक नहीं था कि मैं जिम्मेदारी उठा पाऊं। ये तब की बात है, जब मैं अभिनय के क्षेत्र में आना चाहता था, मगर उन्हें वो मंजूर नहीं था, क्योंकि उसके पहले मैं सीए कर रहा था। जब मैं सीए कर रहा था, तो उनके मन में एक सिक्योरिटी थी कि मैं सीए बन जाऊंगा। मगर उसी दौरान मैं एक्टिंग के चक्कर में पड़ गया और उस वक्त मेरे पास दो रास्ते थे। या तो मैं अपने प्यार को अपना कर सीए बन जाऊं और जिंदगी भर घुटता रहूं कि काश मैंने अभिनय में किस्मत आजमाई होती या फिर मैं एक्टर बन जाऊं और इस रिश्ते को यहीं खत्म कर दूं। वो अफ़साना जिसे अंजाम तक लाना न हो मुमकिन, उसे एक खूबसूरत मोड़ देकर छोड़ना अच्छा, हमारे बीच एक म्यूचल अंडरस्टैंडिंग हुई क्योंकि हमें लगा हम दोनों ही खुश नहीं रह पाएंगे। फिर उन्हें कितना इंतजार करने को कहता, क्योंकि किसे पता था कि अभिनय में कब चांस मिलेगा। मैंने उनसे आखिरी मुलाकात में वादा कि ये हमारा बिछड़ना जाया नहीं जाएगा।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।